INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त: DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-46 | मथुरा, रविवार, 12 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

वर्ष-4 | अंक-46 | मथुरा, रविवार, 12 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

सुरों की सम्राज्ञी आशा भोसले नहीं रहीं, 92 की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

इन आँखों की मस्ती के मस्ताने हजारों हैं....

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय संगीत जगत की दिग्गज और सुरों की मलिका आशा भोसले का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया, जिससे पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है। बीते शनिवार तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां रविवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। करीब सात दशकों से अधिक लंबे करियर में उन्होंने अपनी आवाज से करोड़ों दिलों पर राज किया और भारतीय संगीत को अमर धरोहर दी।उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मोहन भागवत समेत कई बड़ी हस्तियों ने गहरा दुख जताया। फिल्म जगत और संगीत उद्योग से जुड़े कलाकारों ने उन्हें याद करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक कलाकार का नहीं, बल्कि एक युग का अंत है। आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को हुआ था। उन्होंने हिंदी, मराठी, बंगाली समेत 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गाने रिकॉर्ड किए। 'पिया तू अब तो आजा', 'दिल चीज क्या है' और 'इन आंखों की मस्ती' जैसे उनके गीत आज भी लोगों के दिलों में बसे हुए हैं। उन्हें दादा साहब फाल्के पुरस्कार और पद्म विभूषण जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया था। उनकी आवाज में ऐसी विविधता थी कि वे गजल, पॉप, शास्त्रीय, लोकगीत और फिल्मी संगीत हर शैली में अलग पहचान बनाती रहीं। बताया गया है कि उनका

पीएम नरेंद्र मोदी, मोहन भागवत समेत कई बॉलीवुड हस्तियों ने जताया गहरा दुख

आशा भोसले के निधन पर बॉलीवुड ने जताया गहरा शोक

अंतिम संस्कार 13 अप्रैल को मुंबई के शिवाजी पार्क में पूरे सम्मान के साथ किया जाएगा। उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए घर पर रखा जाएगा, जहां फैंस और श्रद्धांजलि देने वालों की भीड़ उमड़ने की संभावना है। आशा भोसले का जाना भारतीय संगीत के लिए अपूरणीय क्षति है, लेकिन उनके गीत हमेशा आने वाली पीढ़ियों के दिलों में गूंजते रहेंगे। उनके निधन की खबर सुनते ही बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी और अपने भाव व्यक्त किए। अभिनेता अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर आशा भोसले के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि उनके जाने से जो नुकसान हुआ है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि उनकी सुरीली आवाज हमेशा अमर रहेगी। फिल्ममेकर मधुर भंडारकर ने भी गहरा दुख जताते हुए कहा कि आशा ताई ने अपने गीतों से कई पीढ़ियों को प्रेरित किया और उनके साथ काम करना उनके लिए गर्व की बात रही। लोक गायिका मालिनी अवस्थी ने भावुक होते हुए कहा कि आशा भोसले जैसी महान कलाकार का जाना एक युग के अंत जैसा है। उन्होंने बताया कि आशा ताई ने अपनी अलग पहचान बनाई और संगीत की दुनिया में एक साम्राज्य खड़ा किया।

यमुना में रेस्क्यू टीमों का सर्च अभियान जारी

तीन शवों की तलाश तेज

मोटरबोट हादसे में मरने वालों की संख्या पहुंची 13

यूनिक समय, मथुरा। वृदावन में मोटरबोट हादसे में मरने वालों की संख्या अब 13 हो गई है। 22 लोगों को घटना के समय रेस्क्यू करके बचा लिया गया था। इसके साथ ही लापता पांच लोगों की तलाश लगातार सात टीमों द्वारा की जा रही थी। रेस्कयू टीमों को आज दो शव बरामद हुए। इनमें एक युवती का शव भी है जिसका नाम मिसिंग सूची में भी नहीं था।

पंजाब से आए श्रद्धालुओं की मोटरबोट में यमुना में पौंटून पुल से टकरा कर पलट गई थी। बोट में सवार 37 श्रद्धालु यमुना में गिर गए थे। गोताखोरों, एनडीआरएफ एसडीआरएफ व पीएसी की टीम ने यमुना में डूब रहे 22 लोगों को कड़े प्रयास कर निकाल लिया था। इसके साथ ही 15 श्रद्धालुओं का यमुना के पानी में डूब गए थे। डूबे श्रद्धालुओं को निकालने के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी की टीम के 250 जवानों ने कल शनिवार को पंजाब निवासी मानिक टंडन के शव को रेस्क्यू किया गया था। इस तरह टीम ने 11 शवों को यमुना से निकाल लिया था। रविवार को भी रेस्क्यू टीमों द्वारा शवों को खोजने के लिए सर्च अभियान चलाया गया। सर्च अभियान में आज टीमों को दो शव देवराह बाबा घाट के समीप यमुना से मिले हैं। इनमें एक शव ऋषभ शर्मा (19) पुत्र उमेश शर्मा निवासी जगराओ लुधियाना पंजाब का बरामद किया। इसके साथ ही टीम ने एक दूसरा शव डिक्की बंसल का भी आज बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। डिक्की बंसल की मां मीनू बंसल भी हादसे का शिकार हो चुकी है।

लापता पांच लोगों में से रविवार को मिले ऋषभ शर्मा के शव को यमुना से निकालकर स्टीमर से ले जाती एनडीआरएफ की टीम और अन्य की तलाश में जुटी सर्च टीम।

बेटी के शव को देख टूट गया बीमार पिता

यूनिक समय, मथुरा। ठाकुर बांके बिहारी महाराज से बीमार पिता की सेहत की कामना करने मां के साथ आने वाली बेटी को क्या पता था कि यहां आकर दोनों बीमार पिता को वहां अकेला छोड़ कर कभी वापस नहीं लौट पाएगी। पंजाब की मीनू बंसल घर पर बीमार पति को छोड़कर उनकी सेहत के लिए बांके बिहारी महाराज से आशीर्वाद मांगने के लिए बेटी डिक्की बंसल को लेकर जत्थे के साथ वृंदावन आई थी। मोटर बोट में भजन करने के दौरान बोट पीपों के पुल से टकराई और बोट में सवार सभी लोग यमुना में गिर गए। मीनू बंसल और उसकी बेटी डिक्की बंसल भी इस हादसे का शिकार हो गई। मीनू बंसल का शव तो शुक्रवार को निकाल लिया गया था। परिवार के लोग जब उनका शव लेने के लिए मथुरा आए तो उन्होंने बताया कि बेटी डिक्की बंसल भी लापता है। इसके बाद उसकी भी रेस्क्यू टीम ने तलाश की तो रविवार को उसका शव भी मिल गया। डिक्की बंसल का शव लेने के लिए आए पिता का रो–रोकर बुरा हाल था। बीमार पिता के लिए बांकेबिहारी से आशीर्वाद लेने के लिए आईं मां-बेटी अब उसे संसार में अकेला छोड़ गईं। उनके साथ आए लोग भी डिक्की बंसल का शव देखकर बेसुध से हो रहे थे।

पिता की सेहत की कामना लेकर आई मां बेटी अकेला छोड़ गई

पंजाब से व्यवस्था के लिए आए तहसीलदार

पंजाब से आए तहसीलदार ऋषभ के पिता और लोगों को सांत्वना देते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। पंजाब सरकार ने एक तहसीलदार यहां भेजा।

उन्होंने मोरचरी पहुंचकर मरने वालों के परिवारों को सांत्वना दी। इस दौरान एसडीएम और एडीएम भी मोरचरी पहुंचकर डाक्टरों से शवों का शीघ्र पोस्टमार्टम कराने और शवों को एम्बुलेंस से ले जाने की व्यवस्था करते नजर आए।

लापरवाह लोग देते हैं मौत को दावत

वृंदावन में हादसा होने के बाद याद आई लाइफ जैकेट

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। केशीघाट के निकट पौंटून पुल से एक मोटरबोट के टकराने से 13 श्रद्धालुओं की हुई मौत की खबर मीडिया में सुर्खियों में है। बड़े हादसे के बाद लोगों की समझ में आया कि मोटरबोट में बैठते समय लाइफ जैकेट की कितनी जरूरत है। इसी तरह चार पहिया की वाहनों में अगली सीट पर बैठने वालों को सीट बैल्ट लगाना कितना आवश्यक है। दो पहिया चलाने वालों के किए हेलमेट कितना उपयोगी है। आजकल सुरक्षा कवच को लोग नजरादांज करते नजर आ रहे हैं। जब कोई हादसा होता है तो उस समय सुरक्षा कवच की ओर ध्यान जाता है। वृंदावन, मथुरा और गोकुल में न जाने कितनी नाव, स्टीमर चल रहे हैं, लेकिन उनमें सवार श्रद्धालु सुरक्षा कवच लाइफ जैकेट को पहनते दिखाई नहीं देते। यदि वृंदावन में हादसे के शिकार मोटरबोट में सवार श्रद्धालु लाइफ जैकेट पहने होते तो इतने लोगों की मौत नहीं होतीं। लोगों की समझ में अब आया है कि लाइफ जैकेट जिंदगी बचाने में कितनी सहायक सिद्ध होती है। अब बात करते हैं कारों की, इनमें अगली सीट पर बैठने वाले अधिकांश लोग सीट बैल्ट का उपयोग नहीं करते हैं। बड़े शहरों की ओर जाने पर सीट बैल्ट का ध्यान आता है। कोई हादसा होता है तो फिर सीट बैल्ट की याद आती है। अब बात करते हैं बाइक और स्कूटी चलाने वालों की। अधिकांश लोग हेलमेट का भी उपयोग नहीं करते हैं। वह मौत की परवाह किए बगैर बाइक और स्कूटी को दौड़ाते नजर आते हैं। वहीं ई रिक्शा संचालन करने वाले भी रोजाना लोगों को मौत का सफर कराते नजर आते हैं। एआरटीओ ने ई रिक्शा में तीन लोगों के बैठने का परमिट जारी कर रखा है, लेकिन उसमें 10–10 सवारी बैठी दिखाई देती हैं। यदि ई रिक्शा किसी कारण से पलट गया या किसी बड़े वाहन की टक्कर का शिकार हो गया तो कितने लोग मरेंगे। इसकी शायद कोई कल्पना कर सकता है। इसी क्रम में ऑटो में भी निर्धारित संख्या से लोग यात्रा करते नजर आते हैं, लेकिन पुलिस और एआरटीओ विभाग के अधिकारियों की क्या मजाल कि वह हादसे रोकने और ओवरलोडिंग रोकने के लिए कार्रवाई करें। इन बातों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि लोग खुद कितने लापरवाह हैं। भले ही लोगों के लिए कि तने भी जागरूकता अभियान चलाए जाएं, लेकिन वह जागरूक होने के लिए तैयार नहीं हैं।

सड़क पर दौड़ते वाहनों से होता है मौत का सफर

ऋषभ शर्मा एलएलबी कर रहा था शव को देख पिता का हुआ बुरा हाल

यूनिक समय, मथुरा। रविवार को रेस्क्यू टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद ऋषभ शर्मा का शव भी भी देवराह बाबा घाट के समीप से बरामद हो गया। पंजाब से आए ऋषभ शर्मा के पिता उमेश शर्मा और उनके साले सहित अन्य लोग मोरचरी पर ऋषभ का शव देख कर बेहद दुखी नजर आए। उमेश शर्मा एक बिजनेस मैन है। उनके दो बेटे हैं। ऋषभ एलएलबी कर रहा था। बड़ा होने के बाद वह पढ़ाई लिखाई के साथ–साथ एक अच्छा गायक भी था। पिता उसकी मौत से बुरी तरह टूटे हुए दिखाई दे रहे थे। परिवार के लोग उन्हें ढांढस बंधा रहे थे। पोस्टमार्टम के बाद शव को एम्बुलेंस से पंजाब ले गए।

नई सड़क के गड्ढों ने खोली निर्माण की पोल!

यूनिक समय, मथुरा। पिछले माह टैंक चौराहा से टाउनशिप चौराहा तक बनकर तैयार हुई सड़क में एक माह के भीतर ही गड्ढे बन गये हैं जो दुर्घटनाओं को निमंत्रण दे रहे हैं। सड़क की स्थिति यह है कि एक गड्ढा भरता नहीं तब तक दूसरा गड्ढा बन जाता है। इन गड्ढों ने सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। राहगीरों का कहना है कि इतनी जल्दी सड़क का बैठना किसकी लापरवाही की ओर इशारा करता है। जिला जेल के सामने बना बड़ा गड्ढा पहले ही लोगों के लिए परेशानी बना हुआ था, लेकिन अब वेटरनरी कॉलेज के पास गड्ढा काफी बड़ा हो गया है। इससे यह साफ होता है कि समस्या सिर्फ एक जगह की नहीं है, बल्कि अभी तो बरसात का मौसम ही नहीं आया है। जब बरसात शुरू हो जाएगी तो क्या हाल होगा, इसे

वेटरनरी कॉलेज के पास सड़क में हुआ गहरा गड्ढा।

टैंक चौराहा से टाउनशिप मार्ग पर गड्ढे बने जानलेवा

किसकी लापरवाही कहेंगे। क्या कार्यदाही संस्था या संबधित विभाग की अनदेखी है। लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों में गड्ढों की संख्या और बढ़ गई है। दिन में वाहन चालक किसी तरह इन्हें देखकर बच जाते हैं, लेकिन रात्रि के समय ये गड्ढे नजर नहीं आते।

खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह सड़क से गुजरना बेहद खतरनाक हो गया है। कई लोग यहां गिरकर घायल भी हो चुके हैं। इन गड्ढों में ईंट भर दी गई हैं। गड्ढों को भरने के लिए कुछ जगहों पर ईंटें डाली गई हैं, लेकिन यह सिर्फ अस्थायी उपाय है। थोड़े समय बाद ईंटें हट जाती हैं और गड्ढे फिर से खुल जाते हैं। इससे हादसों का खतरा और बढ़ जाता है। लोगों का कहना है कि इस तरह के आधे-अधूरे काम से समस्या का समाधान नहीं है। नई बनी सड़क का इतनी जल्दी खराब होना निर्माण की गुणवत्ता पर सीधा सवाल खड़ा करता है। लोगों का आरोप है कि या तो काम में लापरवाही बरती गई है या फिर घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। यदि निर्माण सही तरीके से हुआ होता, तो सड़क इतनी जल्दी नहीं बैठती। यह गड्ढे रोजाना लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं। स्थानीय लोग डरे हुए हैं कि अगर जल्द ही सुधार नहीं हुआ, तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। अब देखना यह है कि संबंधित विभाग समय रहते कदम उठाता है या फिर किसी बड़ी घटना का इंतजार करेगा।

बारिश से प्रभावित किसानों को जल्द मिलेगी राहत

सरकार करीब 65 करोड़ रुपये कराएगी उपलब्ध

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले में हाल ही में हुई ओलावृष्टि और तेज बारिश से प्रभावित किसानों के लिए राहत की बड़ी खबर है। योगी सरकार की ओर से करीब 65 करोड़ रुपये की धनराशि जल्द ही किसानों को उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे फसल के नुकसान की भरपाई हो सके।

गौरतलब है कि बीते दिनों आई प्राकृतिक आपदा से छाता, नौहझील, गोवर्धन और फरह क्षेत्र के किसानों की फसल को बड़ा नुकसान हुआ था। जिला प्रशासन द्वारा नुकसान का तेजी से आकलन किया गया और सर्वे रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है।

डीएम सीपी सिंह के निर्देशन में सभी तहसीलों के एसडीएम को निर्देशित किया गया कि किसानों की क्षति का सटीक और अधिकतम आकलन किया जाए, ताकि उन्हें उचित मुआवजा मिल सके। प्रशासन ने दिन-रात काम करते हुए सर्वे प्रक्रिया को प्राथमिकता दी। जिले में लगभग 70 हजार किसानों ने फसल बीमा कराया हुआ है, जिनमें से करीब 40 हजार किसानों को बीमा का लाभ मिलना सुनिश्चित माना जा रहा है।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, बीमा कंपनियों के माध्यम से भी जल्द भुगतान की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

प्रशासन का कहना है कि किसानों को समय पर राहत पहुंचाना प्राथमिकता है, ताकि वे अगली फसल के लिए तैयार हो सकें। सरकार और जिला प्रशासन की इस पहल से प्रभावित किसानों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

वृंदावन के बंदर श्रद्धालुओं का सामान लूटने में माहिर

चश्मा, फोन, पर्स और कैप पर रहती है पैनी नजर

यूनिक समय, वृंदावन। शायद ही कोई दिन ऐसा गुजरता होगा जब बंदर किसी का मोबाइल फोन, किसी का पर्स, किसी का चश्मा, किसी के सिर से कैप उड़ाकर न ले जाते हों। कीमती मोबाइल फोन को छुड़ाने के लिए बंदरों की मनपसंद फ्रूटी की सेवा होती है। फ्रूटी को लेते ही बंदर बड़े ही सरलता से मोबाइल को नीचे गिरा देते हैं। मंदिरों की नगरी के प्रमुख बाजारों में बंदरों की फौज छिपी रहती है। वह सिर्फ अपने शिकार के इंतजार में रहते हैं। कब मौका मिले और कब श्रद्धालुओं से मोबाइल, पर्स, चश्मा और कैप लेकर भागें। श्रद्धालुओं को जब यह अहसास होता है कि सामान लेकर कोई उड़न हो गया तो वह देखता रह गया। वह देखता है कि उसका सामान तो बंदर के पास है। इस तरह से रोजाना हजारों रुपये कीमत के सामान को बंदरों की फौज ले उड़ती है। बंदर जब फ्रूटी लेकर मोबाइल और चश्मा

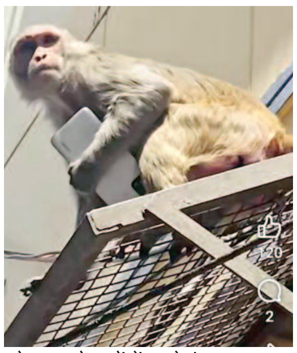
मोबाइल को हाथों में पकड़े बंदर।

को नीचे गिराता है तो यह लगता कि टूट जाएगा। सही सलामत मिल जाए तो श्रद्धालु की किस्मत। वरना नुकसान। वह बंदरों की हरकत को कोसते हुए अपने घरों के लिए विदा हो जाते हैं। उनके ग्रुप के लोग बंदरों की हरकत को हमेशा याद रखते हैं। कई बार बंदर श्रद्धालुओं के रुपये और जेवरों से भरे बैग को लेकर चंपत हो गए। फिर किसी मकान की छत से नीचे गिराने लगे तो नीचे लोगों की तमाशबीनों की भीड़ दिखाई देती है। श्रद्धालुओं का कहना है कि बंदरों की इतना अधिक आतंक है तो प्रशासन को बंदरों को पकड़वाने के लिए इंतजाम करने चाहिए।

पहल

मथुरा में आग की घटनाएं लगातार बढ़ीं

फॉयर हाइड्रेंट सिस्टम बनेगा जीवनरक्षक कवच

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले में लगातार बढ़ती आग की घटनाओं ने एक बार फिर शहरी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घनी आबादी वाले बाजार, पुराने भवन, तंग गलियां और बिजली के जर्जर तारों के कारण आग लगने की घटनाएं समय-समय पर गंभीर रूप ले लेती हैं। ऐसे हालात में फॉयर हाइड्रेंट सिस्टम आपदा प्रबंधन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, फॉयर हाइड्रेंट एक ऐसा भूमिगत जल आपूर्ति तंत्र है जो सीधे मुख्य जल पाइपलाइन या बड़े जल भंडार से जुड़ा रहता है। इसका उद्देश्य आग लगने की स्थिति में दमकल विभाग को तुरंत और उच्च दबाव में पानी उपलब्ध कराना होता है, ताकि आग को शुरुआती चरण में ही नियंत्रित किया जा सके और बड़े नुकसान से बचा जा सके। मथुरा जैसे धार्मिक और व्यापारिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील जिले में यह व्यवस्था

इसलिए भी जरूरी मानी जाती है क्योंकि यहां वर्ष भर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती है। बाजारों में जाम, भीड़ और संकरी गलियां आग के फैलाव को और अधिक खतरनाक बना देती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि किसी क्षेत्र में फॉयर हाइड्रेंट समय पर उपलब्ध हों तो आग पर नियंत्रण पाने में दमकल विभाग को काफी सहायता मिलती है।

आग लगने की स्थिति में दमकलकर्मी मौके पर पहुंचकर हाइड्रेंट से पाइप जोड़ते हैं और वॉल्व खोलते ही तेज दबाव वाला पानी उपलब्ध हो जाता है। यह पानी सीधे आग की लपटों पर डाला जाता है, जिससे आग की तीव्रता कम होती है और उसे नियंत्रित करना आसान हो जाता है। कई बार एक से अधिक हाइड्रेंट का उपयोग कर

घनी आबादी वाले क्षेत्र बने संवेदनशील

बाजारों में आग फैलने का खतरा अधिक

बिजली शॉर्ट सर्किट से बढ़ रही घटनाएं

दमकल विभाग को तुरंत मिलता पानी

बड़े क्षेत्रों में लगी आग पर भी काबू पाया जाता है।

स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि मथुरा के प्रमुख बाजारों, रेलवे क्षेत्र, औद्योगिक इलाकों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर फॉयर हाइड्रेंट की संख्या और रखरखाव बढ़ाने की आवश्यकता है। इससे न केवल आग की घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि जनहानि और संपत्ति के नुकसान को भी काफी हद तक रोका जा सकेगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई को कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

यूनिक समय, मथुरा। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष मोहसिना किदवई के 94 वर्ष की आयु में उनके निधन पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा सेठवाड़ा स्थित कार्यालय पर शोक सभा आयोजित की गई। कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि मोहसिना किदवई ने उत्तर प्रदेश से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की और लंबे समय तक सक्रिय राजनीति में रहकर महत्वपूर्ण योगदान दिया। कांग्रेसियों ने कहा कि मोहसिना किदवई एक अनुभवी और समर्पित राजनेता थीं, जिनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस मौके पर जिला महासचिव मनोज गौड़, शहीद कुरैशी, महेश चौबे, करन निषाद, अशोक निषाद, अर्पित जादौन, मनीष चौधरी, रवि उपाध्याय, मोनू निषाद, विक्रम वाल्मीकि, रमेश कश्यप, आशीष अग्रवाल, विवेक कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

तापमान / मौसम

27 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

16 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,53,970

22 कैरेट 1,41,000

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,36,158 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

- 112 -आपातकालीन सेवा
- 1962 - रेलवे हेल्पलाइन
- 100 - पुलिस
- 108 - एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
- 102 - एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
- 101 - अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
- 1090 - महिला हेल्पलाइन
- 1091 - महिला पुलिस सहायता
- 1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन
- 104 - स्वास्थ्य सलाह सेवा
- 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
- 1033 - राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
- 1073 - सड़क दुर्घटना आपात सहायता

बिजली शिकायत

1912- (बिजली कटौती, फॉल्ट, लो वोल्टेज, बिल से जुड़ी शिकायतें) व्हाट्सऐप: 8010957826

नगर निगम

1533 - नगर निगम संपूर्ण शिकायत हेल्पलाइन

14420 - सीवर सफाई के लिए

18003094747- टोल-फ्री हेल्पलाइन (कॉमन सिटी शिकायत)

0565-2503632 - नगर निगम कार्यालय फोन (नियमित शिकायत)

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150, मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

झंडा लगाते युवक की करंट से मौत,परिवार में मचा कोहराम

मजदूरी के लिए होटल पर काम करने गया था

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत स्थित प्रेम मंदिर के समीप एक होटल पर झंडा लगाने के दौरान एक मजदूर की 11 हजार केवीए की विद्युत लाइन का करंट लगने से मौत हो गई। मजदूर की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

डेंपीयर नगर बनखंडी निवासी युवक संजय सैनी (20) पुत्र ज्ञान प्रकाश सैनी मजदूरी करता था। बताया गया कि कल उसे इसी इलाके में रहने वाला युवक लक्ष्मण मजदूरी के लिए अपने साथ प्रेम मंदिर के पीछे स्थित एक होटल पर काम करने के लिए ले गया था। संजय सैनी को वहां झंडा लगाने को कहा गया था। जिस स्थान पर वह झंडा लगा रहा था वहां ऊपर से 11 हजार केवीए की बिजली की लाइन जा रही थी। संजय ने जैसे झंडा ऊपर किया उसमें लगा लोहे का पाइप विद्युत लाइन के तार से टच हो गया। जिस कारण उसे 11 हजार केवीए का जोरदार करंट लगा और उसकी मौत हो गई। संजय की करंट लगने से हुई मौत से होटल के कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। पुलिस को इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। संजय की मौत का पता लगने पर उसके परिवार के लोगों में कोहराम मच गया। पोस्टमार्टम हाउस पर संजय के पिता का रो-रोकर बुरा हाल था। लोग उन्हें ढांढस बंधा रहे थे।

डॉक्टर पदम सिंह कौन्तेय बने टेक्निकल डेलीगेट

दिल्ली में आयोजित हुई इंडियन एथलेटिक्स सीरीज थ्री

यूनिक समय, मथुरा। इंडियन एथलेटिक्स सीरीज थ्री दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित की गई। एक दिवसीय प्रतियोगिता में मथुरा के डॉक्टर पदम सिंह कौन्तेय को टेक्निकल डेली गेट और डॉ. दलवीर सिंह कौन्तेय को थ्रोज इवेंट का रेफरी बनाया गया।

जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव जय सिंह ने बताया कि डॉक्टर पदम सिंह राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता के टेक्निकल टेलीगेट थे, पदम सिंह कौन्तेय द्वारा पूरी प्रतियोगिता का शेड्यूल, एंट्री सिस्टम, उपकरण की जाँच, ड्यूटी शेड्यूल, फोटो फिनिश, ट्रैक मार्किंग, स्टार्टिंग स्टेगर तथी सभी प्रकार के थ्रोज इवेंट के सेक्टर की मार्किंग एवं सभी प्रकार की ड्यूटी के निर्धारण की जिम्मेदारी सौंपी गई। उनके छोटे भाई डॉक्टर दलवीर सिंह कौन्तेय को इस प्रतियोगिता का थ्रोज इवेंट का

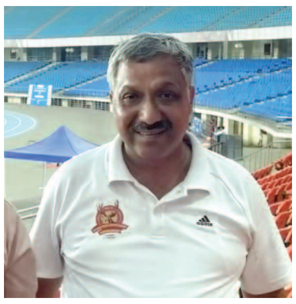

रैफरी बनाया गया सभी प्रकार की थ्रोज इवेंट दलवीर सिंह कौन्तेय के मार्ग दर्शन में सम्पन्न हुए। डॉक्टर दलवीर सिंह कौन्तेय केआर डिग्री कॉलेज में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी हैं। इस प्रतियोगिता में भारत के कौन कौन से खिलाड़ियों ने भाग लिया भाला फेंक प्रतियोगिता में मथुरा की ओर से रजत कुमार ने भाग लिया उन्होंने 70.36 मीटर का थ्रो कर के चौथे स्थान पर संतोष करना पड़ा। जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल कुमार बाजपेई उपाध्यक्ष संजय पाठक तथा विजय सिंह वर्मा ज्ञानेंद्र सिंह लोकेश कुंतल सुंदर सिंह हरदेव नितिन शर्मा आदि ने बधाई दी है

बेटी को रेलवे स्टेशन छोड़ने जा रहे पिता की दुर्घटना में मौत

रिफाइनरी क्षेत्र में अज्ञात वाहन ने बाइक में मारी टक्कर

पिता की मौत की खबर से परिवार में छाया मातम

यूनिक समय, मथुरा। गांव से बेटी को ट्रेन में बैठाने के लिए रेलवे स्टेशन जा रहे व्यक्ति की बाइक को हाईवे पर एसबीआई कट पर अज्ञात वाहन ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई और बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। चौकीपुरा कलां ओल निवासी दिनेश आज प्रातः करीब पांच बजे अपनी बेटी को रेलवे स्टेशन छोड़ने के लिए बाइक से जा रहे थे। बताया गया है कि उनकी बाइक जैसे ही रिफाइनरी के पुल पर एसबीआई कट से हाईवे पर पहुंची इसी बीच पीछे से तेज गति से आते अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में दिनेश की सड़क पर गिरने से मौत हो गई, वहीं बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। दुर्घटना का पता लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दिनेश के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल बेटी ने पिता की मौत की खबर परिवार को दी। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही परिवार सहित बड़ी संख्या में लोग घटना स्थल के लिए दौड़ पड़े। मौत की जानकारी मिलते ही दिल्ली से आई दूसरी बेटी मोरचरी पर फफक-फफक कर रो रही थी।

बकरी फार्म हाउस से 50 बकरियों सहित हजारों की चोरी

यूनिक समय, राया (मथुरा)। थाना राया के बिचपुरी पुलिस चौकी क्षेत्र के अंतर्गत गांव बिरहना में शनिवार की रात्रि एक बकरी फार्म हाउस से चोरों ने 50 बकरे और हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। जानकारी के अनुसार सुरेंद्र सिंह का राया–हाथरस मार्ग पर पीके कॉलेज के पास बकरी फार्म हाउस में करीब 80 बकरे और बकरियां थीं। चोर बीती रात फार्म हाउस में घुसकर लगभग 50 पशुओं को चुरा ले गए। इसके साथ कमरे का ताला तोड़कर 20 हजार का सामान चोरी कर लिया। घटना की जानकारी मिलते ही बिचपुरी पुलिस चौकी प्रभारी वीरेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच गये और मामले की जानकारी ली, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

आचार्य मृदुलकांत शास्त्री के साथ हुई मारपीट निंदनीय

धर्म रक्षा संघ ने घटना को लेकर आक्रोश जताया

यूनिक समय, गोकुल (मथुरा)। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय एसोसिएशन के महामंत्री व चेयरमैन संघ के जिला अध्यक्ष गोकुल नगर पंचायत के चेयरमैन संजय दीक्षित ने कल वृंदावन में भागवत प्रवक्ता आचार्य मृदुल कांत शास्त्री के साथ दिल्ली के कुछ लोगों द्वारा अभद्र व्यवहार व मारपीट करने के मामले की निंदा की है।

अध्यक्ष संजय दीक्षित ने कहा कि बाहर के तीर्थ यात्री वृंदावन में और अन्य तीर्थ जैसे गोकुल, बरसाना, गोवर्धन, नंदगांव, बल्देव, महावन क्षेत्र में नो एंट्री क्षेत्र में गाड़ियों को ले आते हैं और दर्शन करने के बहाने यहां मौज मस्ती करने के लिए आते हैं। ऐसे लोगों की वृंदावन व अन्य तीर्थ क्षेत्र में मैन एंट्री होती है उस स्थान पर महिला पुरुषों के आधार कार्ड चेक किए जाएं कि यह उनके परिवार के हैं या यह अन्य महिलाओं या पुरुषों को साथ लेकर मौज मस्ती करने के लिए आ रहे हैं। यहां आकर यह बृजवासियों से हमारे तीर्थ पुरोहितों से अभद्र व्यवहार करते हैं। वहीं धर्म रक्षा संघ की बैठक आचार्य बद्रीश महाराज की अध्यक्षता में हुई। बैठक में श्रीमद् भागवत प्रवक्ता आचार्य मृदुलकांत शास्त्री के साथ दिल्ली के कुछ लोगों द्वारा की गई मारपीट पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। कहा कि वृंदावन में ऐसी घटनाएं चिंताजनक हैं। इस मौके पर धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़, धर्म रक्षा संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज राष्ट्रीय महामंत्री श्रीदास प्रजापति, महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद महाराज महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. आदित्यानंद गिरि महाराज, स्वामी अतुल कृष्ण दास महाराज, महंत देवानंद वनमहाराज, रविकांत गौतम ब्रजकिशोर पचौरी, मुकेश शर्मा तथा घनश्याम सिंह आदि उपस्थित थे।

वहीं अखिल भारत हिन्दू महासभा प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित संजय हरियाणा ने वृन्दावन में भागवत आचार्य मृदुल कांत शास्त्री के साथ हुई मारपीट की तीखे स्वर में निंदा की है। इस मौके पर मुकेश खंडेलवाल एडवोकेट, राकेश चतुर्वेदी, मुकेश चतुर्वेदी, श्याम शर्मा, आशीष शर्मा, अभिषेक शर्मा, नितिन चौधरी, योगेश आवा, राम कटोरा पंकज चतुर्वेदी आदि थे।

हाईवे थाना क्षेत्र में दो दिन पूर्व मिले शव की हुई शिनाख्त

मृतक दरेसी रोड बद्रीनगर का सुहेल निकला

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित त्रिवेणी फैक्ट्री के समीप दो दिन पूर्व मिले शव की शिनाख्त दरेसी रोड बद्रीनगर इलाके में रहने वाले सुहेल के रूप में परिवार के लोगों ने की है।

दरेसी रोड बद्रीनगर, अहीर गली निवासी जहीर का पुत्र सुहेल (24) 10 अप्रैल की रात को अचानक घर से कहीं निकल गया था।

परिवार के लोगों ने उसे सभी जगह तलाश किया, लेकिन उसका कुछ पता नहीं लगा। परिवार के लोगों का कहना है कि सुहेल मानसिक तौर पर बीमार चल रहा था। परिवार के लोग उसे तलाश कर रहे थे। इसी बीच उसे तलाश करते हुए परिवार के लोग आज त्रिवेनी फैक्ट्री के पास गए तो वहां लोगों से जानकारी करने पता लगा कि पुलिस ने वहां से एक युवक का शव बरामद करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। परिवार के लोगों ने थाना हाईवे पहुंचकर जानकारी की, इसके बाद सभी मोरचरी पहुंच गए। परिवार के लोगों ने उसकी शिनाख्त सुहेल के रूप में की है।

सीओ सदर दुर्घटना में बाल–बाल बचे

यूनिक समय, मथुरा। जैंत थाना के नजदीक दिल्ली–आगरा हाईवे पर सीओ सदर एक सड़क हादसे में बाल–बाल बच गए। जानकारी के अनुसार सीओ की बुलेरो गाड़ी और अर्टिगा कार से हुई टक्कर अर्टिगा सवार पुरुष और महिलाएं सेफ्टी बैलून खुलने पर बाल बाल बचे कार सवारों को मामूली चोट आई, वहीं क्षेत्राधिकारी सदर भी बाल बाल बचे सीओ सदर की बोलेरो गाड़ी डिवाइडर पर चढ़ गई। घायलों को उपचार के लिए हॉस्पिटल भेजा गया है।

खाकी से बेखौफ खनन माफिया

पुलिस के सामने ही ट्रैक्टर छुड़ाकर ले भागा खनन माफिया

मिट्टी खनन की सूचना पर बाइकों से गांव शाहपुर पहुंचे थे पुलिसकर्मी

मिट्टी भरे ट्रैक्टरों को खनन माफिया ने छुड़ाया, पुलिस का इन्कार

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। मिट्टी खनन में जुटे खनन माफिया को अब खाकी वर्दी का भी खौफ नहीं है। शनिवार रात गांव शाहपुर में मिट्टी खनन की सूचना पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने मिट्टी भरे तीन ट्रैक्टरों को पकड़ लिया, लेकिन कहासुनी के बाद खनन माफिया तीनों ट्रैक्टरों को लेकर भाग गए। पुलिस घटना से इन्कार कर रही है।

क्षेत्र के कई गांवों में इन दिनों बड़े स्तर पर मिट्टी खनन का खेल चल रहा है। रात नौ बजे से सुबह सात बजे तक खनन माफिया के मिट्टी भरे ट्रैक्टर कस्बा और क्षेत्र में तेज गति से दौड़ते नजर आते हैं। खाकी की ही मिली भगत से चल रहे काम में खनन माफिया और कृपा करने वाले अधिकारियों की अवैध कमाई से जमकर बल्ले-बल्ले हो रही है। मिट्टी खनन से जुड़ा यह मामला गांव शाहपुर से जुड़ा है। बीती रात करीब 11 बजे गांव में मिट्टी खनन की सूचना पर चार-पांच पुलिसकर्मी मोटरसाइकिलों से मौके पर पहुंचे। जानकारों ने बताया कि पुलिसकर्मियों ने मिट्टी से भरे तीन ट्रैक्टरों को पकड़ भी लिया। पुलिस से कहासुनी शुरू होने पर मिट्टी में फंसी एक ट्रॉली को खनन माफिया ने जैक से बाहर निकाल लिया और तीनों ट्रैक्टरों को लेकर चले गए। इस दौरान ट्रैक्टरों को लेकर खनन माफिया और पुलिसकर्मियों के बीच जमकर हाक टांक भी हुई। तमाम ग्रामीण भी मौके पर आ गए। इसी दौरान रात में ही गश्त में निकली पुलिस की नीली जीप भी मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक माफिया अपने ट्रैक्टर और लोगों के साथ रफू चक्कर हो चुका था। इस बारे में वरिष्ठ उप निरीक्षक महिपाल सिंह का कहना है कि खनन की सूचना मिली थी, पुलिस मौके पर गई लेकिन खनन नहीं मिला और न वाहन छुड़ाए गए हैं।

जमकर हो रहा है खनन

क्षेत्र में इन दिनों जमकर मिट्टी खनन हो रहा है। गांव सलेमपुर, शाहपुर, करनपुर, पींगरी, परखम आदि गांवों में जेसीबी से मिट्टी खोदने के बाद ट्रॉलियों से तय स्थान पर डाली जा रही है। एक ट्राली के एवज में खनन माफिया 700 रुपये प्रति ट्रॉली लेता है। बीती रात गांव शाहपुर में कहासुनी के बाद पुलिसकर्मियों से छुड़ाए गए यह ट्रैक्टर खनन माफिया आकाश, ब्रिजो, अमरचंद,राकेश, मानिक चंद के बताए गए हैं।

ज्योतिबा फूले के 199 वें जन्म दिवस पर निकाली शोभायात्रा

शोभायात्रा में शामिल महात्मा ज्योतिबा फूले विकास समिति के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। महात्मा ज्योतिबा फूले विकास समिति के बैनर तले ज्योतिबा फूले के 199वें जन्म दिवस पर शोभायात्रा निकाली गई।

शोभायात्रा सैनी मोहल्ला से प्रारंभ होकर औरंगाबाद मुख्य बाजार होते हुए गोकुल बैराज रोड स्थित ज्योतिबा फूले बगीची में स्थापित महात्मा फूले स्मारक पहुंची। शोभा यात्रा का उद्घाटन समाजसेवी नरेंद्र सैनी एवं अनिल अग्रवाल ने किया। दोनों ने महात्मा ज्योतिबा फूले को भारत में शिक्षा क्रांति का दीप जलाकर अलख जलाने वाला प्रेरणादाई व्यक्तित्व बता कर याद किया। शोभा यात्रा में चल रहे वरिष्ठ लोगों का एडवोकेट बद्री प्रसाद सिंह के नेतृत्व में नीला गमछा पहनकर स्वागत किया।

इस मौके पर महात्मा ज्योतिबा फूले विकास समिति के अध्यक्ष रमेश सैनी, भगवान सिंह राल वाले, कौशल सैनी, बन्टी पार्षद, भीक चन्द्र सैनी, लुकेश कुमार राही, जगदीश सैनी, काके सैनी, शिव सिंह सैनी, दिलीप सैनी, तारा चंद्र सैनी, जागेश्वर यादव, मुकेश सैनी, राहुल सैनी, रोशन लाल सैनी, ओम सैनी तथा अनिल सैनी आदि शामिल थे।

सैनी समाज ने धूमधाम से मनाई ज्योतिबा फूले जयंती

ज्योतिबा फूले की जयंती निकाले सैनी समाज के लोग।

यूनिक समय, गोवर्धन। कस्बा गोवर्धन में सैनी समाज द्वारा महान समाज सुधारक ज्योतिबा फूले की जयंती शनिवार को बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ उनके चित्र पर माल्यार्पण कर सैनी धर्मशाला में मनाया गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने ज्योतिबा फूले के जीवन, उनके संघर्ष और समाज सुधार में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि फूले जी ने शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया। कहा कि उनके आदर्शों को अपनाने और समाज में शिक्षा एवं जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। शोभा यात्रा शहर के विभिन्न जगह होते हुए निकाली गई लोगों ने जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत किया गया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष सैनी समाज के महेश सैनी, चेयरमैन प्रतिनिधि मनीष लंबरदार, भगवान सिंह सैनी, रूप चंद सैनी, परबाती सैनी, गुलाब सिंह उर्फ गब्बर सैनी, केशव सैनी, निरंजन प्रधान, अशोक प्रधान, विजेंद्र सैनी, पवन प्रधान, बालकिशन सैनी, ओमवीर सैनी, हर प्रसाद प्रधान, सभासद महावीर सैनी सहित सैनी समाज एवं अन्य समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

अब डरना नहीं: सुरीर पुलिस ने महिलाओं को दिया सुरक्षा का भरोसा

सुरीर पुलिस महिलाओं के अधिकारों के बारे में जागरूक करती महिला पुलिस।

मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत परसोती गढ़ी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

यूनिक समय, सुरीर, (मथुरा)। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के द्वितीय चरण के अंतर्गत चलाए जा रहे 30 दिवसीय महिला सशक्तिकरण अभियान ने अब क्षेत्र में गति पकड़ ली है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा के निर्देशन में थाना सुरीर पुलिस द्वारा गांव परसोती गढ़ी में महिलाओं एवं छात्राओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों तथा सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि बस, रास्तों या किसी भी सार्वजनिक स्थान पर यदि मनचलों या शोहदों द्वारा छेड़खानी की घटना होती है, तो डरने की जरूरत नहीं है, बल्कि साहस के साथ उसका सामना करें।

पुलिस टीम ने छात्राओं को महिला हेल्पलाइन नंबर 1090 की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत इस नंबर पर संपर्क करें या नजदीकी थाने में जाकर शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हर शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी और पीड़ित की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

कार्यक्रम में भाग लेने वाली छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिस पर पुलिस टीम द्वारा उन्हें पुरस्कृत कर उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में उप निरीक्षक दिव्या कुमारी, कांस्टेबल आशीष कुमार सहित थाना सुरीर पुलिस के अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय इंटर कॉलेज, सुरीर (मथुरा)

पत्रांक- मीमो / प्रोजेक्ट अलंकार योजनान्तर्गत/2026-27 दिनांक-......

अल्पकालीन निविदा सूचना

प्रोजेक्ट अलंकार योजनान्तर्गत निम्नांकित निर्माण कार्य हेतु लो.नि.वि. ग्राम. अ.वि. एवं अन्य तकनीकी विभाग आयकर, व्यापारकर एवं श्रम विभाग में पंजीकृत आपूर्तिकर्ताओं एवं ठेकेदारों एवं श्रम विभाग में पंजीकृत आपूर्तिकर्ताओं एवं ठेकेदारों से दिनांक 13.04.2026 से 20.04.2026 को दोपहर 12:00 बजे से मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, जो दि. 22.04.2026 को अपरान्हन 4:00 बजे तक आपूर्तिकर्ताओं/ ठेकेदारों अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष गठित निविदा समिति के द्वारा खोली जाएगी। निविदा प्रपत्र की बिक्री एवं अन्य जानकारी कार्य दिवस में कॉलेज प्रबंध समिति के कार्यालय से की जा सकती है।

कार्य निम्न प्रकार हैं

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाखों में)	धरोहर धनराशि	निविदा बिक्री मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण का समय
1	प्रोजेक्ट अलंकार योजनान्तर्गत राष्ट्रीय इ.का. सुरीर जनपद मथुरा के विद्यालय भवन के जीर्णोद्वार, मरम्मत, पुर्ननिर्माण, निर्माण एवं अर्पस्थापना सुविधाओं के कार्य	3700847 लाख	2%	1000	1 वर्ष

निविदा की शर्तें:-

1. प्रत्येक निविदा के साथ 100 रू. का स्टाम्प एवं 1 रू. की रसीद टिकट सहित हस्ताक्षरयुक्त लगाना अनिवार्य है। 2. निविदा के साथ 2 प्रतिशत धरोहर राशि एफ.डी.आर/बचत प्रपत्र अधोहस्ताक्षरी के नाम करना होगा, टेंडर के साथ लगाना हागा। नगद धनराशि भी जमा की जा सकती है। 3. निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा। 4. गुणवत्ता परीक्षण टी.ए. सी/उच्चाधिकारियों के निरीक्षण में इंगित कमियों के लिए कटौती की जाने वाली धनराशि आपूर्तिकर्ताओं के व्यय पर की जायेगी। 5. प्रत्येक कार्य के लिए अलग-अलग निविदाएं देनी होंगी। 6. इस संबंध में कोई वाद-विवाद होता है तो इसी जनपद का न्यायालय मान्य होगा।

(प्रबंधक)
राष्ट्रीय इंटर कॉलेज
सुरीर (मथुरा)

(प्रधानाचार्य)
राष्ट्रीय इंटर कॉलेज
सुरीर (मथुरा)

40 साल पुराना मुबारकपुर मार्ग बदहाल

ग्रामीणों ने की समाधान की मांग

चुनाव में करते हैं शिलान्यास, बाद में भूल जाते हैं जनप्रतिनिधि

सुरक्षित पुराने मार्ग के पुनर्निर्माण की मांग

नौहझील-मुबारकपुर मुख्य मार्ग पर हुआ जलभराव।

यूनिक समय, नौहझील। विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच नौहझील क्षेत्र का गांव मुबारकपुर आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझ रहा है। करीब 40 वर्ष पूर्व बने नौहझील-मुबारकपुर मुख्य मार्ग की हालत काफी खराब हो चुकी है, जिससे ग्रामीणों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि चुनाव के समय विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता सड़क निर्माण के नाम पर शिलान्यास कर जाते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही गांव की समस्याओं को नजरअंदाज कर दिया जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रशासन द्वारा गांव के बाहर जंगल के रास्ते एक वैकल्पिक डामर सड़क का निर्माण कराया गया है, लेकिन ग्रामीण उसे सुरक्षित नहीं मानते। यह रास्ता बाजार से लगभग एक किलोमीटर दूर और सुनसान इलाके से होकर गुजरता है, जिससे महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग यहां से निकलने से कतराते हैं। ग्रामीण रामकुमार शर्मा, विकास शर्मा और महेश शर्मा सहित अन्य लोगों का कहना है कि पुराने मुख्य मार्ग पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं। खेतों की सिंचाई का पानी सड़क पर भर जाने से यह रास्ता कीचड़ में तब्दील हो जाता है, जिससे आवागमन पूरी तरह प्रभावित होता है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि गांव को नौहझील बाजार से जोड़ने वाले पुराने मुख्य मार्ग का शीघ्र पुनर्निर्माण कराया जाए।

युद्ध का असर: बर्तन बाजार में बढ़ी कीमतें, घटे ग्राहक

भूतेश्वर क्षेत्र में बर्तन की दुकान।

तांबा, पीतल, स्टील और एल्यूमीनियम के दाम 15 से 35 प्रतिशत बढ़े, दुकानदार परेशान

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच तनाव का असर अब जिले के बर्तन बाजार में भी दिखने लगा है। बर्तनों के दाम तेजी से बढ़ गए हैं, जिससे आम लोगों की खरीदारी पर असर पड़ा है। बाजार में पहले के मुकाबले अब करीब काफी कम ग्राहक ही आ रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि कच्चे माल के महंगे होने से बर्तनों के दाम बढ़ाने पड़े हैं। इसका सीधा असर बिक्री पर पड़ा है। पहले जहां रोज अच्छी बिक्री होती थी, अब ग्राहकों की संख्या कम हो गई है।

किसानों की फसल खराब होने से बाजार सुस्त

यूनिक समय, मथुरा। सहालग का समय है, लेकिन बिक्री उम्मीद के मुताबिक नहीं हो रही है। वहीं दूसरी ओर किसानों की फसल खराब होना भी बाजार के सुस्त होने का कारण है। हमारे कारोबार पर दोहरी मार पड़ रही है।

दुकानदार दीपक अग्रवाल ने बताया कि पहले पुराना तांबा 1200 रुपये किलो मिलता था, जो अब 1250 रुपये हो गया है। नया तांबा 1500 रुपये किलो तक बिक रहा है। इसी तरह पुरानी पीतल पहले 720 रुपये किलो थी, जो अब 800 रुपये हो गई है, जबकि नई पीतल 1000 रुपये किलो तक बिक रही है। स्टील के दाम भी बढ़ गए हैं। पुराना स्टील 250 रुपये किलो खरीदा जा रहा है, जबकि नया स्टील 300 रुपये से लेकर 1000 रुपये किलो तक बिक रहा है। एल्यूमीनियम भी महंगा हो गया है। पहले यह 230 रुपये किलो था, अब 290 रुपये किलो हो गया है और नए बर्तन 400 रुपये किलो तक बिक रहे हैं।

दुकानदार राजेश खंडेलवाल ने बताया कि सिर्फ मथुरा ही नहीं, दूसरे शहरों में भी यही हाल है। महंगाई बढ़ने से लोग जरूरत के हिसाब से ही सामान खरीद रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो आगे दाम और बढ़ सकते हैं। वहीं ग्राहक भी महंगाई से परेशान हैं और खरीदारी कम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिले की ज्यादातर थोक की दुकानों के रेट लगभग सभी के बराबर है।

निजी विद्यालयों में चल रहीं प्राइवेट बुक, छात्र परेशान

यूनिक समय, शेरगढ़ (मथुरा)। शेरगढ़ क्षेत्र के निजी विद्यालयों में एक दो बुक एनसीईआरटी की तथा आधे से ज्यादा प्राइवेट लेखक की चला रखी हैं जो वह किसी चिन्हित दुकान पर ही मिलती हैं, जिसके हाई–फाई रेट चार्ज किए जाते हैं वहीं छात्र भी बुक लेने के लिए मजबूर होकर छात्र अपने-अपने अभिभावक पर दबाव डालकर बुक खरीद कर लाते हैं जब इसकी जानकारी एक विद्यालय के प्रिंसिपल से की गई तो उन्होंने बताया कि हमें मजबूर होकर निजी किताबें चलानी पड़ रही है एक दो एनसीईआरटी की किताब भी चल रही हैं लेकिन वह खरीदने के लिए छात्र किसी भी दुकान से या बाहर से लाने के लिए कोई भी प्रतिबंध नहीं है जब छात्रों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि जितने पैसों में सभी नई एनसीईआरटी की किताबें आएगी उनसे दूने रेट में प्राइवेट किताबें आ रही है और वह दुकानदार फुल रेट पर दे रहे हैं जबकि प्राइवेट किताबों की कीमत ज्यादा लिखे होते हैं। छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों ने मांग की है की सभी विद्यालयों में एनसीईआरटी की किताबें ही चलाई जाएं जिससे निजी प्राइवेट बुक खरीदने के लिए छात्र पर दबाव न हो ।

पुलिस ने गांजा बरामद कर एक तस्कर दबोचा

यूनिक समय, राया (मथुरा)। शनिवार की रात्रि मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह एवं उपनिरीक्षक राजेश यादव ने नीमगांव रोड आयराखेड़ा बम्बा से श्याम पुत्र मिश्रीलाल निवासी आयराखेड़ा थाना राया को एक किलो 600 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया।

आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि ने बताया कथा का महत्व

जो कथा का आनंद लेगा, वही जीवन को धन्य करेगा

व्यास गद्दी पर विराजमान आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी का सम्मान करते पदाधिकारी और सदस्य।

गो ग्राम परखम में रामकथा श्रवण करती क्रिकेटर नवजोत सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर सिद्धू।

संवाददाता

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। बड़े पुण्य के बाद 84 लाख योनियों को भोगने के बाद मानव का जन्म मिलता है, यह जन्म मिलना भी भगवान की कृपा है। कलयुग में जो भी कथा का श्रवण करेगा, रसास्वादन करेगा, वही जीवन को धन्य करेगा।

यह बात गो ग्राम परखम में आयोजित श्री राम कथा के तृतीय दिन आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने कही। श्रद्धालुओं को श्री राम कथा का श्रवण करते हुए उन्होंने कहा कि बड़े भाग्य से हमको यह मनुष्य का शरीर मिला है, 84 लाख योनियों को भोगने के बाद यह मानव योनि मिली है, अब जीवन को ग्रंथ, शास्त्र और गो माता की सेवा में नहीं लगाया तो यह शरीर बेकार है। पांच तत्व से बना यह शरीर ग्रंथ, शास्त्र और गो माता की सेवा नहीं कर सकता है तो यह शरीर बेकार है। भगवान के अवतार से जुड़ा प्रसंग सुनाते हुए आचार्य ने कहा कि भगवान बिना प्रयोजन नहीं आते हैं, भगवान हमेशा गाय, सुर संत, ब्राह्मण के कल्याण के लिए मनुष्य के रूप में अवतार लेते हैं, बिना उद्देश्य भगवान नहीं अवतरित होते हैं। उन्होंने कहा कि कथा का हर कोई सुन सकता है, रसास्वादन कर सकता है, इस कथा में गुठलियां, बीज नहीं है। ऐसे में जो कथा का आनंद लेगा, वह जीवन को धन्य करेगा पार्वती माता की तपस्या से जुड़े प्रसंग को पंडाल में मौजूद श्रोताओं को सुनाते हुए आचार्य ने कहा कि नारद जी ने हिमालय से कहा कि यह पुत्री ऐसा तप करेगी, जिसे संसार में किसी ने नहीं किया हो। महादेव को पति के रूप में पाने के लिए एक मिसाल पार्वती बनाएंगे। श्री कृष्ण और अर्जुन से जुड़े प्रसंग को श्रोताओं के सम्मुख रखते हुए आचार्य ने कहा कि कृष्ण ने अर्जुन से कहा था कि मुझे कर्म करने और जन्म लेने की आवश्यकता नहीं है, मैं तप करता हूं, कर्म करता हूं, लेकिन वह तुमको नजर नहीं आता। राग, द्वेष, कपट, हिंसा और चल को त्यागने से ही राम कृपा मिल सकती है, संत कृपा मिल सकती है और गो सेवा करने से यह सब कुछ हासिल हो सकता है। इसलिए इस तन को गाय की सेवा में लगाओगे तो सेवा करने से गोपाल भी मिलेंगे। क्योंकि कृष्ण ने भी गाय की सेवा की और गोपाल नाम कहाया। व्यास गद्दी का पूजन हाई कोर्ट के जज प्रकाश पाड़िया, पूर्व कुलपति केएमएल पाठक, पुष्पा पांडेय, रूबल छाबड़ा, आईपी सिंह, राजीव अग्रवाल, इंद्रजीत अरोड़ा, अमित त्यागी, मनोज गौड़, कपिल शर्मा, संजय शर्मा, अनीश अग्रवाल, सतीश अवाना और यजमान सुरेश कौशिक, पुष्पा पांडेय, देवेंद्र चौधरी, राहुल कृष्ण महाराज आदि ने किया। संचालन पवन दत्त मिश्रा और प्रमोद पांडे ने किया।

भजनों पर झूमे श्रद्धालु

राम कथा के दौरान आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि ने संगीतमय भजन प्रस्तुत किए। कथा प्रसंग के बीच–बीच में गाए गए भजनों पर पूरा पंडाल झूम उठा। राम नाम अति सुंदर है सबके मन को भाए सुना कर सभी को पुलकित कर दिया।

नशाखोरी अभियान में पुलिस ने पांच को किया गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। जनपद पुलिस ने नशाखोरी के खिलाफ अभियान चलाकर पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो किलो 916 ग्राम गांजा बरामद किया है।

थाना राया पुलिस ने अभियान के दौरान राया–हाथरस रोड पर गांव गजू की तरफ से अभियुक्त रामबीर निवासी पचावर थाना महावन को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक किलो 650 ग्राम गांजा बरामद किया है। राया पुलिस ने नीमगांव रोड पर चेकिंग के दौरान अभियुक्त श्याम निवासी अयेराखेड़ा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 600 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। इसी तरह बल्देव पुलिस ने भी रीढ़ा मोहल्ला निवासी सचिन को चरागाह के समीप से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 200 ग्राम गांजा बरामद किया है। बल्देव पुलिस ने सादाबाद रोड पर राधाकृष्ण धर्म कांटे के समीप से आकाश निवासी रीढ़ा मोहल्ला को गिरफ्तार कर उसके कब्जे 210 ग्राम गांजा बरामद किया है।

दो किलो 916 ग्राम गांजा किया बरामद

गोविंदनगर पुलिस ने भी रेलवे लाइन को जाने वाले रास्ते से अभियुक्त गोविंद निवासी गांव अनौड़ा थाना राया को गिरफ्ता कर उसके कब्जे से 256 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने सभी को एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्यवाई की है।

जस्टिस फॉर चिल्ड्रन स्ट्रीट स्कूल का 18वां स्थापना दिवस मनाया

अंतरराष्ट्रीय स्ट्रीट चिल्ड्रन डे पर बच्चों ने दी शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

स्कूल के स्थापना दिवस का शुभारंभ करते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। जस्टिस फॉर चिल्ड्रन एंड वूमेन सोसाइटी के तत्वावधान में जस्टिस फॉर चिल्ड्रन स्ट्रीट स्कूल का 18 वां स्थापना दिवस एवं अंतरराष्ट्रीय स्ट्रीट चिल्ड्रन डे बड़े ही धूमधाम से बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्था के संस्थापक सतीश शर्मा एवं श्रीमती सीमा के नेतृत्व में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बीएसए आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह में स्कूल के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर नृत्य, गायन और नाटकों के माध्यम से बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। अशोक यादव सहित अन्य वक्ताओं ने वंचित बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया।

संस्थापकों ने अपने संबोधन में बच्चों को कुपोषण, नशे और भय से मुक्त सुरक्षित बचपन देने के संकल्प को दोहराया। इस मौके पर डॉ. देवेन्द्र, पूजा राणा, रवीन्द्र बंसल, श्रीमती चिनू जैन, अशोक यादव आदि लोग शामिल हुए।

चौ. ऋषिपाल सिंह बने कांग्रेस सूचना का अधिकार विभाग के चेयरमैन

यूनिक समय, मथुरा। चौधरी ऋषिपाल सिंह को मथुरा जिले में कांग्रेस सूचना का अधिकार विभाग का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है चौधरी ऋषिपाल सिंह पहले कार्यकर्ता के रूप में थे उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए प्रदेश नेतृत्व द्वारा यह कमान कमान सौंपी गई है।

खाने की इन आदतों में करें सुधार, नहीं पड़ेगी दवा की जरूरत

जल्द कंट्रोल होगी डायबिटीज

यूनिक समय, मथुरा। डायबिटीज को नियंत्रित करने के लिए लोग आयुर्वेद का सहारा ले सकते हैं। आयुर्वेदिक डॉक्टर दीक्षा भावसार सांवलिया ने हाल ही में खाने की गलतियों के बारे में बताया है, जिन्हें सुधार कर के लोग प्री–डायबिटीज और डायबिटीज को बड़ी ही आसानी से नियंत्रित कर सकते हैं। बीते कई सालों में लोगों की लाइफस्टाइल और खानपान की आदतों में काफी बदलाव हुआ है। इसी वजह से आज लोग कई गंभीर बीमारियों के शिकार होते जा रहे हैं, जो धीरे–धीरे कर उनके जीने के दिन कम करती जा रही हैं। इन्हीं बीमारियों में डायबिटीज की बीमारी भी शामिल है। पिछले कुछ सालों में डायबिटीज एक बड़ी समस्या बनकर उभरी है। बड़ी ही तेजी से लोग इसकी चपेट में आते जा रहे हैं। पहले के जमाने में 30 की उम्र के बाद लोगों को डायबिटीज होती थी, लेकिन आजकल छोटे बच्चों से लेकर युवाओं तक इस बीमारी की चपेट में आ चुके हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, दुनिया की लगभग 11 फीसदी आबादी को डायबिटीज की बीमारी है।

डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है, जिसका अभी तक कोई पक्का इलाज नहीं बना है। इसे नियंत्रित कर के ही मरीज स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। डायबिटीज को नियंत्रित करने के लिए लोग आयुर्वेद का सहारा ले सकते हैं। आयुर्वेदिक डॉक्टर दीक्षा भावसार सांवलिया ने हाल ही में खाने की गलतियों के बारे में बताया है, जिन्हें सुधार कर के लोग प्री–डायबिटीज और डायबिटीज को बड़ी ही आसानी से नियंत्रित कर सकते हैं। चलिए जानते हैं....

रोजाना बंद करें दही का सेवन– गर्मियों के मौसम में लोग रोजाना दही का सेवन करते है, जो उनके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। रोज दही खाने से लोगों को डायबिटीज हो सकती है। इसके अलावा वजन बढ़ना, सूजन, खराब मेटाबॉलिज्म की समस्या भी हो सकती है।

बिना भूख के भोजन करना बंद करें– बहुत से लोगों की हर घंटे में कुछ न कुछ खाने की आदत होती है, जिसकी वजह से उन्हें डायबिटीज हो सकती है। जब पेट पहले से ही भरा होता है और हम बिना भूख के भोजन करते हैं तो हमारे शरीर की इंसुलिन संवेदनशीलता कम हो जाती है।

जरूरत से ज्यादा भोजन करना कर दें बंद– कई बार लोग भूख से ज्यादा खाना खा लेते है। क्षमता से अधिक खाने से मोटापा, कोलेस्ट्रॉल और पाचन संबंधी समस्याएं होती हैं। इसके अलावा लोगों की इस आदत की वजह से उन्हें डायबिटीज हो सकती है। इसके अलावा डायबिटीज नियंत्रित करने के लिए मरीज जरूरत से खाने की अपनी आदत को ठीक करें।

रात को हैवी डिनर करना बंद करें– ज्यादातर लोग सुबह के समय ब्रेकफास्ट नहीं करते हैं और रात के समय बहुत ही ज्यादा हैवी डिनर करते हैं। देर रात को भारी डिनर करने से लोगों के लिवर पर अधिक भार पड़ता है। इसके अलावा हैवी डिनर मेटाबोलिज्म को भी धीमा कर देता है। इसकी वजह से शरीर में पोषण की कमी हो जाती है।

खाने के स्वाद को दोगुना कर देगी कच्चे आम की खट्ठी–मीठी लौंजी

यूनिक समय, मथुरा। आम गर्मियों का खास फल है, आम को फलों का राजा भी कहते हैं। लोग जहां कच्चे आम का अचार आदि बनाते हैं, तो वहीं कच्चे आम यानी कैरी से बनी लौंजी भी खाने में काफी स्वादिष्ट होती है। इसके साथ ही यह आपकी सेहत के लिए भी फायदेमंद होती है। गर्मियों में कैरी की लौंजी खाने से शरीर को ठंडक मिलती है और तापमान भी मेंटेन रहता है। वहीं आप बिना सब्जी के भी रोटी को आम की लौंजी से खा सकते हैं। बच्चों के साथ ही बड़ों को भी इसका खट्टा–मीठा स्वाद काफी पसंद आता है। आम की लौंजी बनाने की रेसिपी बेहद आसान है और यह पोषक तत्वों से भरपूर होती है। आमतौर पर लोग दाल–चावल के साथ इसे खाना पसंद करते हैं। ऐसे में अगर आप भी आम की लौंजी बनाना चाहती हैं तो यह आर्टिकल आपके लिए है। हम आपको आम की लौंजी बनाने की विधि बता रहे हैं। जिससे आप आसानी से इसे बनाकर परिवार के सदस्यों को खिला सकती हैं।

आम की लौंजी बनाने का सामान

कच्चे आम के टुकड़े– 1 कप, सौंफ– 1/2 टी स्पून, जीरा– 1/2 टी स्पून, राई– 1/2 टी स्पून, लाल मिर्च पाउडर– 1/2 टी स्पून, अजवायन– 1/4 टी स्पून, गुड़– 1 कप, चाट मसाला– 1/2 टी स्पून, गरम मसाला– 1/2 टी स्पून, काला नमक– 1/2 टी स्पून, हींग– 1 चुटकी, तेल– 2 चम्मच, पानी– 1 कप, नमक– स्वादानुसार।

ऐसे बनाएं: आम की लौंजी बनाने के लिए सबसे पहले कच्चे आम को साफ पानी से धो लें। इसके बाद आमों को सूती कपड़े से पोंछ लें। फिर आम के छिलके को छीलकर इसको लंबे–लंब टुकड़ों में काटकर उसकी गुठली अलग कर दें। फिर कड़ाही में 2 चम्मच तेल डालकर मीडियम आंच पर चढ़ा दें। जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें राई, सौंफ, हींग और जीरा समेत अन्य मसाले डाल दें। इसके बाद इनको कुछ देर के लिए भूनें।जब ये मसाले पक जाएं तो कढ़ाई में आम के टुकड़ों को उसमें डाल दें। इसके बाद मसालों को अच्छे से मिक्स कर लें। फिर कुछ देर बाद उसमें लाल मिर्च पाउडर डाल दें। फिर धीमी आंच पर पकाते हुए उसमें 1 कप पानी और नमक डालकर अच्छे से चलाते हुए ढक दें। अब आम की लौंजी को 2 से 3 मिनट के लिए पकने दें। लौंजी को पकाने के बाद इसमें 1 कप कुटा हुआ गुड़ डालकर मिला लें।

अब गैस तेज करके लौंजी को तब तक पकाएं। जब तक गुड़ अच्छे से पिघल कर आम के टुकड़ों में मिक्स न हो जाए। अगर आप इसे हल्का खट्टा रखना चाहते हैं तो गुड़ की मात्रा बढ़ा भी सकते हैं। इसके बाद लौंजी में चाट मसाला और गरम मसाला डालकर मिक्स कर लें। कुछ देर पकाने के बाद गैस बंद कर दें। इस आसान तरीके से आम की लौंजी बनकर तैयार हो जाएगी। इसको आप लंच या डिनर के साथ परोस सकती हैं। इसके साथ आपके खाने का स्वाद दोगुना हो जाएगा।

गर्मियों में ऐसे सजाएं लिविंग रूम को

यूनिक समय, मथुरा। लिविंग एरिया को डेकोरेट करते समय प्लांट्स की मदद लेना एक अच्छा विचार है। दरअसल, जब आपकी आंखों के सामने पौधे होते हैं तो इससे आपके मन में पॉजिटिविटी आती हैं। इतना ही नहीं, प्लांट्स होने के कारण लिविंग एरिया के तापमान को मेंटेन करने में मदद मिलती है। कभी भी घर को सजाते समय सबसे ज्यादा ध्यान लिविंग रूम पर ही दिया जाता है। दरअसल, घर के सदस्य इस एरिया में अपना अधिकतर समय बिताते हैं। इतना ही नहीं, आने वाले मेहमान भी लिविंग एरिया में ही बैठते हैं। यहां बैठकर और आपके घर को देखकर ही वह आपके व्यक्तित्व के बारे में अंदाजा लगाते हैं। इसलिए, लिविंग एरिया को अप–टू–डेट रखना जरूरी होता है। चूंकि, अभी गर्मियों का मौसम चल रहा है और इसलिए जब आप लिविंग रूम को डेकोरेट करें तो कंफर्ट का भी ध्यान रखें।

लिविंग एरिया को डेकोरेट करते समय प्लांट्स की मदद लेना एक अच्छा विचार है। दरअसल, जब आपकी आंखों के सामने पौधे होते हैं तो इससे आपके मन में पॉजिटिविटी आते हैं। इतना ही नहीं, प्लांट्स होने के कारण लिविंग एरिया के तापमान को मेंटेन करने में मदद मिलती है। आप बिग प्लांट्स से लेकर छोटे प्लांट्स को अपने लिविंग एरिया में रख सकते हैं।

जब आप समर में अपने लिविंग एरिया को डेकोरेट कर रहे हैं तो अपने मूड को बेहतर बनाने के लिए उसमें कुछ फन एलिमेंट्स भी शामिल किए जा सकते हैं।

मसलन, आप पॉम पॉम की मदद से गारलैंड बनाएं और उसे लिविंग एरिया की वॉल पर हैंग करें। इससे आपका लिविंग एरिया देखने में काफी अच्छा लगेगा।

पुराने खाली पड़े मैसन जार भी समर में लिविंग एरिया डेकोरेशन में आपकी मदद कर सकते हैं। आप इनमें कुछ छोटे एयर प्लांट्स रखकर वॉल पर हैंग कर सकते हैं। इसके अलावा, इसे पेंट करके या फिर ग्लिटर आदि का इस्तेमाल करके एक डेकोरेटिव आइटम तैयार किया जा सकता है। जिसे आप टेबल पर रख सकते हैं।

हम सभी चाहते हैं कि हमारे घर का लिविंग एरिया काफी बड़ा महसूस हो। ऐसे में होम डेकोरेशन के लिए मिरर का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि आप इसे अपने लिविंग एरिया में लगाएं। इससे आपके कमरे में अधिक प्रकाश आएगा। साथ ही साथ, कमरा अधिक बड़ा नजर आएगा।

सुरक्षा के लिहाज से सबसे बेस्ट हैं ये जगहें, बेफिक्र होकर उठाएं सोलो ट्रिप का लुत्फ

यूनिक समय, मथुरा। देश–दुनिया घूमने का शौक रखने वाले लोग अक्सर किसी न किसी सफर को प्लान करते रहते हैं। वह अपने परिवार, दोस्तों आदि कि साथ ट्रिप पर जाने के इंतजार में रहते हैं। वहीं मौका मिलने पर ऐसे लोग घूमने के लिए निकल पड़ते हैं। हालांकि आजकल की बिजी लाइफस्टाइल के कारण लोगों के पास समय की कमी रहती है। ऐसे में यह भी तय नहीं होता कि जब आपको छुट्टी मिले तब आपके दोस्तों के पास भी समय हो। ऐसे में कई बार बना–बनाया प्लान बिगड़ जाता है।

वहीं अधिक घूमने का मन होने पर पुरुष अकेले ही घूमने के लिए निकल जाते हैं। लेकिन महिलाओं व लड़कियों के लिए सोलो ट्रिप को लेकर काफी असमंजस की स्थिति होती है। क्योंकि सुरक्षा के लिहाज से वह अकेले ट्रिप पर नहीं जा पाती हैं। लेकिन अगर आप बिना अपनी सुरक्षा की फिक्र किए सोलो ट्रिप इंज्वॉय करना चाहती हैं। तो हम आपको देश की कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं जो अकेले घूमने के लिहाज से सुरक्षित हैं। आइए जानते हैं वह कौन सी जगहें हैं।

मसूरी, उत्तराखंडः उत्तराखंड का मसूरी सुरक्षा के लिहाज से काफी अच्छी जगह है। यहां पर महिलाएं बिना अपनी सुरक्षा की फिक्र किये आराम से ट्रिप का मजा ले सकती हैं। बता दें कि देहरादून से बस या टैक्सी कर आप मसूरी पहुंच सकती हैं। इसके बाद अपने बजट में होटल आदि कर सकती हैं। बता दें कि यह जगह सुरक्षा और घूमने दोनों के लिहाज से काफी अच्छी है। अगर आप भी अकेले मसूरी घूमने का प्लान बना रही हैं तो यहां पर आप दलाई हिल्स, माल रोड, कैंपटी फॉल, धनौल्टी घूम सकती हैं। दो दिन की ट्रिप में आपका ज्यादा खर्च भी नहीं आएगा।

जैसलमेर, राजस्थानः घूमने के लिहाज से राजस्थान के लगभग सभी पर्यटन स्थल काफी शानदार हैं। वहीं जैसलमेर में महिला अकेले घूमने का मजा ले सकती हैं। बता दें कि यह शहर महिलाओं के लिए पूरी तरह से सेफ है। राजस्थान के जैसलमेर को 'द गोल्डन सिटी' कहा जाता है।

यहां पर आप कई फेमस जगहों पर घूम सकते हैं। इसके अलावा आप जैसलमेर में कई एक्टिविटीज कर सकती हैं और यहां के कई शानदार स्थानीय बाजार घूम सकती हैं।

वाराणसी, उत्तर प्रदेशः वहीं आप यूपी के सबसे पुराने शहर वाराणसी घूमने के लिए भी जा सकती हैं। यहां पर आपको कई प्राचीन घाट देखने को मिलेंगे। गंगा नदी के घाट पर आपको बेहद शांति का अनुभव होगा। वाराणसी की दिव्य और भव्य गंगा आरती देख आपके मन को काफी सुकून मिलेगा। बता दें कि वाराणसी में कोई भी महिला अकेले यात्रा कर सकती है।

नैनीताल, उत्तराखंडः देश के फेमस हिल स्टेशन में नैनीताल का नाम सबसे ऊपर आता है। यहां पर पूरे साल पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है। नैनीताल में सर्दी हो या गर्मी हर मौसम में लोग घूमने के लिए आते हैं। यहां पर आप दोस्तों या परिवार के साथ भी जा सकते हैं। वहीं अगर आप नैनीताल घूमने का प्लान कर रही हैं तो यहां पर आपको सुरक्षा की कोई फिक्र नहीं होगी। कोई भी महिला इस शहर में अकेले घूम सकती है।

सुविचार

सकारात्मक सोच ही हर मुश्किल को आसान बनाने की सबसे बड़ी ताकत

कल का पंचांग

तिथि	एकादशी	01:17-01:18 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	घनिष्ठा	03:14- 04:03 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय		6:01 AM	चन्द्रोदय	03:13 AM
सूर्यास्त		6:38 PM	चंद्रास्त	02:36 PM
सूर्य राशि	मीन राशि		चंद्र	कुंभ राशि
शुभ मुहूर्त	11:55AM -12:45 PM		ब्रह्म मुहूर्त	04:26-05:14
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	07:35 AM: 09:10 AM		वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

नौकरी और व्यापार में तरक्की दिलाएगा ये रत्न

अपनी राशि के हिसाब से करें धारण

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष के अनुसार, ग्रहों की शांति के लिए रत्न धारण किया जाता है। ताकि व्यक्ति पर किसी प्रकार की कोई परेशानी न आए और उसकी किस्मत चमक जाए। वहीं ज्योतिष में भी सलाह दी जाती है कि रत्न हमेशा अपनी राशि के अनुसार और कुंडली देखकर ही धारण करना चाहिए। अगर गलती से भी कोई गलत रत्न धारण कर लें, तो उसे कई तरह का नुकसान भी झेलना पड़ता हैं।

मेष राशि : मेष राशि के जातकों के स्वामी मंगल ग्रह है। इसलिए इन लोगों को मूंगा पहनना चाहिए।

वृष राशि : वृष राशि के जातकों के स्वामी शुक्र ग्रह है। इन लोगों को हीरा पहनना चाहिए।

मिथुन राशि : मिथुन राशि वालों के स्वामी बुध ग्रह है। इन लोगों को हरे रंग का पन्ना पहनना चाहिए।

कर्क राशि : कर्क राशि के स्वामी गुरु चंद्रमा है। इसलिए इन लोगों को मोती धारण करना चाहिए।

सिंह राशि : सिंह राशि के स्वामी सूर्य ग्रह है। इन लोगों को माणिक धारण करना चाहिए।

कन्या राशि : कन्या राशि के स्वामी बुध ग्रह है। इन लोगों को हरे रंग का पन्ना पहनना चाहिए।

तुला राशि : तुला राशि वालों के स्वामी ग्रह शुक्र है। इन लोगों को हीरा पहनना चाहिए।

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि वालों के स्वामी ग्रह मंगल हैं। इन लोगों को मूंगा पहनना चाहिए।

धनु राशि : धनु राशि वालों के स्वामी ग्रह बृहस्पति हैं। इन लोगों को पीला पुखराज पहनना चाहिए।

मकर राशि : मकर राशि वालों के स्वामी शनि हैं। इन लोगों को नीलम पहनना चाहिए।

कुंभ राशि : कुंभ राशि वालों के स्वामी शनि हैं। इन लोगों को नीलम पहनना चाहिए।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

कल का दिन कई राशियों के लिए नए अवसर और चुनौतियां लेकर आया है। ग्रहों की स्थिति के अनुसार कुछ लोगों को करियर में प्रगति मिलेगी, तो कुछ को धैर्य और समझदारी से काम लेना होगा।

मेष : कल आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

वृषभ : कल खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, खासकर खान–पान में सावधानी बरतें।

मिथुन : नए कार्य की शुरुआत के लिए दिन अनुकूल है। संचार कौशल से लाभ मिलेगा। छात्रों के लिए समय अच्छा है।

कर्क : भावनात्मक संतुलन बनाए रखें। परिवार में किसी बात को लेकर तनाव हो सकता है। धैर्य से काम लें।

सिंह : करियर में उन्नति के योग हैं। अधिकारी आपके काम से खुश रहेंगे। धन लाभ संभव है।

कन्या : कल यात्रा के योग बन रहे हैं। नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। सेहत में हल्का उतार–चढ़ाव रहेगा।

तुला : साझेदारी में लाभ होगा। व्यापार में नए अवसर मिलेंगे। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

वृश्चिक : किसी महत्वपूर्ण निर्णय में जल्दबाजी न करें। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

धनु : भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक लाभ संभव है।

मकर : मेहनत का पूरा फल मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा।

कुंभ : नए संपर्क बनेंगे जो भविष्य में लाभ देंगे। निवेश सोच–समझकर करें।

मीन : रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। प्रेम संबंध मजबूत होंगे।

अगर सपने में दिख जाए ये चीजें, तो बदल जाएगी आपकी जिंदगी

यूनिक समय, मथुरा। व्यक्ति को रात में सोते समय कई तरह के सपने आते हैं। ये सामान्य सी बात है। जिनमें से कई सपने ऐसे होते हैं, जिससे वह डर जाता है और कई सपने ऐसे होते हैं, जो उन्हें खुश भी कर देता है। लेकिन जब सुबह उठते हैं, तो उस सपने के अर्थ के बारे में सोचने लग जाते हैं। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, इन सपनों के बारे में विस्तार से बताया गया है। तो ऐसे में आइए आज हम आपको अपने इस लेख में बताएंगे कि कौन से ऐसे सपने हैं, जिन्हें देखना बहुत शुभ माना जाता है। इससे घर में सुख–समृद्धि का वास होता है और मां लक्ष्मी भी प्रसन्न होती हैं।

अगर सपने में गाय आपके घर के मुख्य दरवाजे पर आकर रंभाने लग जाए, तो स्वप्न शास्त्र के अनुसार, ऐसा कहा गया है कि गाय में सभी देवी–देवता वास करते हैं। अब ऐसे में अगर घर के दरवाजे पर गाय आ जाए, तो इसका मतलब यह होता है कि भगवान साक्षात आपके घर पधारे हैं और वह आपको आशीर्वाद देने आए हैं।

अगर किसी व्यक्ति को सपने में मंदिर दिख जाए, तो ये भी बहुत शुभ माना जाता है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, इसका मतलब होता है कि घर में जल्द कोई मांगलिक कार्य प्रारंभ होने वाला है या फिर आप तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं। सपने में मुसलाधार बारिश देखना या फिर काला बादल देखना भविष्य में होने वाले शुभ संकेतों को दर्शाता है। इसका मतलब यह है कि आपके घर जल्द धन का आगमन होने वाला है। सपने में किसी महिला को लाल साड़ी में देखना भी बहुत शुभ माना जाता है। इसका मतलब ये होता है कि आपसे मां लक्ष्मी बेहद प्रसन्न हैं और जीवनसाथी के साथ आपकी तालमेल अच्छी रहने वाली है। किसी व्यक्ति को अगर सपने में स्वादिष्ट पकवान रखा हुआ दिखाई दे, तो इसका मतलब यह होता है कि उसेक जीवन में जल्द सकारात्मक बदलाव आने वाले हैं। उसे नौकरी या फिर कारोबार में जल्द तरक्की मिलने वाली है।

अगर आपको सपने में रंग–बिरंगे फूल दिखाई दें, तो इसका मतलब यह होता है कि आपके ऊपर मां लक्ष्मी की कृपा रहने वाली है और आपके घर जल्द धन–दौलत आने वाला है।

खाने के बाद ये गलती करना पड़ सकती है भारी, उम्र भर बने रहेंगे गरीब

यूनिक समय, मथुरा। धर्म ग्रंथों में हर काम से जुड़े नियम बताए गए हैं जिसमें सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक की कार्य शामिल हैं। हालांकि समय के साथ अब इन नियमों का पालन करने वाले कम ही लोग रह गए हैं। ग्रंथों में भोजन से जुड़ी भी कई बातें बताई गई हैं। इनमें से कुछ नियम की अनदेखी हमसे रोज अनजाने में हो जाती है, जो हमारी गरीबी की कारण भी बन सकती है।

भोजन के बाद न करें ये गलती

देखने में आता है कि अधिकांश लोग जिस थाली में भोजन करते हैं, उसी में हाथ भी धो लेते हैं। ऐसा करना भोजन के नियमों के विपरीत है। ऐसा करने से न सिर्फ भोजन का अपमान होता है बल्कि इसका बुरा परिणाम भी हमें निकट भविष्य में भुगतना पड़ सकता है। भोजन की थाली में हाथ न धोकर उसे सिंक में रख देना चाहिए ताकि समय रहते वह साफ हो जाए। अधिक समय तक थाली को उसी अवस्था में भी नहीं रखना चाहिए।

देवी अन्नपूर्णा का अपमान है थाली में हाथ धोना

धर्म ग्रंथों के अनुसार, भोजन यानी अनाज को देवी अन्नपूर्णा माना जाता है। इनकी ही कृपा से हमें भोजन की प्राप्ति होती है, इसलिए भोजन शुरू करने से पहले इनका ध्यान जरूर किया जाता है। जो व्यक्ति भोजन करने के बाद उसी थाली में हाथ धो लेता है, वो देवी अन्नपूर्णा का अपमान करता है। देवी अन्नपूर्णा और कोई नहीं बल्कि साक्षात महालक्ष्मी का ही रूप हैं। देवी अन्नपूर्णा का अपमान करने वाला व्यक्ति हमेशा गरीबी में जीवन व्यतीत करता है।

ग्रहों से भी मिलते हैं अशुभ फल

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जाने–अनजाने में हमसे अपने दैनिक जीवन में कई गलतियां हो जाती हैं। भोजन की थाली में हाथ धोना भी इनमें से एक है। अधिकांश लोग इस तरह की गलती रोज करते हैं, इसलिए वे परेशान भी रहते हैं। ज्योतिषियों के अनुसार, जो व्यक्ति भोजन की थाली में हाथ धोता है, ग्रह भी उसके विपरीत हो जाते हैं और अशुभ फल देने लगते हैं। इसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर व्यक्ति की सेहत पर पड़ता है। इसलिए भोजन की थाली में हाथ धोने से बचना चाहिए।

व्रत-त्योहार का कैलेंडर 2026

- 13 अप्रैल: वरुथिनी एकादशी
- 14 अप्रैल: बैसाखी
- 15 अप्रैल: प्रदोष व्रत, मा. शिवरात्रि
- 17 अप्रैल: वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल: अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल: भौम प्रदोष व्रत
- 1 मई : वैशाख पूर्णिमा
- 5 मई: एकदन्त संकष्टी
- 13 मई: अपरा एकादशी
- 14 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 15 मई: ज्येष्ठ मासिक शिवरात्र
- 16 मई : ज्येष्ठ शनि अमावस्या
- 20 मई : वरद चतुर्थी
- 27 मई: पद्मिनी एकादशी
- 28 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 30 मई: ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा

सम्पादकीय

जस्टिस वर्मा इस्तीफा न्यायिक जवाबदेही पर बड़े सवाल

इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा का इस्तीफा भले ही महाभियोग की प्रक्रिया को थामने का एक औपचारिक अंत प्रतीत होता हो, लेकिन इससे उठे सवाल कहीं अधिक गहरे और स्थायी हैं। यह मामला केवल एक व्यक्ति या एक पद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय न्यायपालिका की जवाबदेही, पारदर्शिता और नैतिक मानकों की व्यापक पड़ताल का अवसर भी है। भारतीय संसदीय इतिहास में न्यायाधीशों के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया दुर्लभ रही है। वी रामास्वामी के मामले में 1993 में प्रस्ताव गिर जाना और 2011 में सौमित्र सेन तथा पीडी दिनाकरण का इस्तीफा देकर प्रक्रिया से बाहर हो जाना इस प्रवृत्ति को दर्शाता है। अब वर्मा का इस्तीफा भी उसी परंपरा की कड़ी बन गया है, जहां अंतिम निर्णय से पहले ही प्रक्रिया निष्प्रभावी हो जाती है।

पवन गौतम
संपादक

मुख्य प्रश्न यह है कि क्या पद छोड़ देना किसी न्यायाधीश को आरोपों से नैतिक या कानूनी रूप से मुक्त कर देता है? यदि ऐसा होता है, तो यह व्यवस्था में एक खामी को उजागर करता है, जहां जवाबदेही से बचने का एक रास्ता उपलब्ध है। इस्तीफा, जो एक जिम्मेदार कदम माना जा सकता है, कहीं न कहीं जांच की पूर्णता और पारदर्शिता को भी बाधित कर देता है।

यह भी विचारणीय है कि न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतों के निपटारे के लिए मौजूदा तंत्र कितना प्रभावी है। 'इन–हाउस' जांच प्रणाली और संसद में महाभियोग–दोनों ही प्रक्रियाएं लंबी, जटिल और अक्सर परिणाम तक पहुंचने से पहले ही निष्प्रभावी हो जाती हैं। ऐसे में आवश्यकता एक ऐसे स्वतंत्र और पारदर्शी तंत्र की है, जो समयबद्ध और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित कर सके। न्यायपालिका की विश्वसनीयता केवल उसके निर्णयों से नहीं, बल्कि उसके भीतर की नैतिकता और आत्मनियंत्रण से भी तय होती है। यदि जनता को यह आभास होने लगे कि न्यायाधीश जवाबदेही से बच सकते हैं, तो न्याय व्यवस्था में विश्वास कमजोर पड़ सकता है। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायपालिका के सामने अब यह अवसर है कि वे इस प्रकरण को एक मिसाल बनाएं। केवल इस्तीफे को अंतिम समाधान मान लेने के बजाय, ऐसे मामलों में स्पष्ट दिशानिर्देश और कठोर प्रक्रिया विकसित करना समय की मांग है। अंततः, न्याय केवल किया जाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि होता हुआ दिखाई भी देना चाहिए। जस्टिस वर्मा का इस्तीफा एक शुरुआत हो सकता है, लेकिन असली जरूरत उस व्यवस्था को मजबूत करने की है, जो किसी भी परिस्थिति में जवाबदेही से समझौता न करे।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

सबरीमाला विवाद: आस्था, अधिकार और न्याय के बीच संतुलन की चुनौती

बोध प्रकाश सगुणी

केरल के पठानमथिट्टा जिले में स्थित सबरीमाला मंदिर वर्षों से करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र रहा है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह स्थान केवल धार्मिक नहीं, बल्कि संवैधानिक और राजनीतिक बहस का भी केंद्र बन गया है। महिलाओं के प्रवेश से जुड़ा यह विवाद अब उस बिंदु पर पहुंच चुका है, जहां आस्था, समानता, न्यायपालिका की भूमिका और विधायिका की जिम्मेदारी–सभी एक–दूसरे से टकराते नजर आते हैं। हाल की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों ने इस बहस को और अधिक गहरा और व्यापक बना दिया है।

सबरीमाला मंदिर में पारंपरिक रूप से 10 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध रहा है, जिसे भगवान अयप्पा के ब्रह्मचर्य स्वरूप से जोड़ा जाता है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है और इसके समर्थक इसे धार्मिक स्वतंत्रता का अभिन्न हिस्सा मानते हैं। दूसरी ओर, इस प्रतिबंध को लैंगिक भेदभाव और संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 25 (धार्मिक स्वतंत्रता) के उल्लंघन के रूप में देखा गया है। यही वह बिंदु है, जहां से यह मामला अदालत तक पहुंचा और एक व्यापक संवैधानिक विमर्श की शुरुआत हुई। हाल ही में चल रही सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह महत्वपूर्ण सवाल उठाया कि क्या अदालत के पास यह अधिकार है कि वह किसी धार्मिक प्रथा को अंधविश्वास घोषित कर सके। यह सवाल केवल सबरीमाला तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश में धार्मिक प्रथाओं और न्यायिक हस्तक्षेप की सीमाओं को परिभाषित करने वाला प्रश्न बन चुका है। अदालत ने यह भी पूछा कि यदि विधायिका किसी मुद्दे पर चुप रहती है, तो क्या न्यायपालिका को भी निष्क्रिय रहना चाहिए। यह टिप्पणी इस बात का संकेत है कि न्यायपालिका स्वयं को केवल निष्क्रिय व्याख्याकार के रूप में नहीं देखती, बल्कि वह आवश्यक होने पर सक्रिय भूमिका निभाने को भी तैयार है। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत में यह स्पष्ट किया कि न्यायपालिका को धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने से बचना चाहिए। उनका तर्क था कि न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ होते हैं, धर्म के नहीं। इसलिए यह तय करना कि कोई प्रथा अंधविश्वास है या नहीं, विधायिका का कार्य है। उन्होंने 'संवैधानिक नैतिकता' और 'ट्रांसफॉर्मेटिव कॉन्स्टिट्यूशनलिज्म' जैसे सिद्धांतों के उपयोग पर भी सवाल उठाए और कहा कि इन्हें धार्मिक स्वतंत्रता के मामलों में लागू करना उचित नहीं है। दूसरी ओर, न्यायालय की पीठ ने यह संकेत दिया कि जब किसी प्रथा से मौलिक अधिकारों का हनन होता है, तो न्यायपालिका का हस्तक्षेप आवश्यक हो जाता है। यह वही सिद्धांत है, जिसके आधार पर भारतीय न्यायपालिका ने कई ऐतिहासिक फैसले दिए हैं। लेकिन जब यही सिद्धांत धार्मिक मामलों में लागू होता है, तो विवाद और भी गहरा हो जाता है। क्या अदालत को यह अधिकार है कि वह धार्मिक आस्थाओं की समीक्षा करे? या यह क्षेत्र पूरी तरह से समुदाय और उसकी परंपराओं के लिए सुरक्षित रहना चाहिए? यही इस पूरे विवाद का केंद्रीय प्रश्न है। इस बहस में एक और महत्वपूर्ण पहलू उभरकर सामने आया है–चयनात्मक धर्मनिरपेक्षता का आरोप। कुछ वर्गों का मानना है कि न्यायपालिका और सियासत कुछ विशेष धर्मों की प्रथाओं पर अधिक सक्रियता दिखाती है, जबकि अन्य मामलों में अपेक्षित तत्परता न2हीं दिखाई देती। यह धारणा चाहे पूरी तरह से सही हो या न हो, लेकिन इसका प्रभाव जनमानस पर स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। जब लोगों को लगता है कि न्याय समान रूप से लागू नहीं हो रहा है, तो संस्थाओं पर उनका विश्वास कमजोर पड़ने लगता है। विधायिका की भूमिका इस पूरे विवाद में अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, जहां धर्म और संस्कृति का गहरा प्रभाव है, वहां संवेदनशील मुद्दों पर स्पष्ट और संतुलित कानून बनाना आवश्यक है। लेकिन अक्सर देखा गया है कि राजनीतिक दल ऐसे मुद्दों पर स्पष्ट रुख अपनाने से बचते हैं, क्योंकि उन्हें वोट बैंक की राजनीति का डर होता है। इसका परिणाम यह होता है कि मामला अदालत तक पहुंच जाता है और न्यायपालिका को वह भूमिका निभानी पड़ती है, जो मूलतः विधायिका की होनी चाहिए। भारतीय न्यायपालिका की सक्रियता को लेकर भी समय–समय पर बहस होती रही है। कई मामलों में अदालत ने सामाजिक न्याय को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन कुछ मामलों में इसे न्यायिक अतिक्रमण भी कहा गया है। सबरीमाला विवाद इसी बहस का एक प्रमुख उदाहरण है। यहां अदालत को यह तय करना है कि वह संविधान की रक्षा करते हुए धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान कैसे बनाए रखे। इस पूरे विवाद का सामाजिक प्रभाव भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। यह मुद्दा समाज में विभाजन पैदा कर सकता है, यदि इसे संवेदनशीलता और संतुलन के साथ नहीं संभाला गया। महिलाओं के अधिकार, धार्मिक आस्था और संवैधानिक मूल्यों के बीच संतुलन बनाना एक जटिल कार्य है, लेकिन यही लोकतंत्र की असली परीक्षा भी है। यदि किसी एक पक्ष को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जाता है, तो यह असंतोष और संघर्ष को जन्म दे सकता है। सबरीमाला विवाद यह भी दर्शाता है कि भारतीय समाज एक संक्रमण के दौर से गुजर रहा है, जहां पारंपरिक मान्यताएं और आधुनिक संवैधानिक मूल्य आमने–सामने आ रहे हैं। यह टकराव केवल भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया के कई अन्य देशों में भी देखा जा सकता है। लेकिन भारत की विविधता और जटिलता इसे और भी चुनौतीपूर्ण बना देती है। इस पूरे प्रकरण का समाधान किसी एक पक्ष की जीत में नहीं, बल्कि संतुलित और समावेशी दृष्टिकोण में निहित है। इसके लिए आवश्यक है कि विधायिका स्पष्ट कानून बनाए, न्यायपालिका संतुलित और विवेकपूर्ण निर्णय दे, और समाज संवाद के माध्यम से सहमति की दिशा में आगे बढ़े। केवल कानूनी निर्णय इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं दे सकते, जब तक कि समाज स्वयं इसे स्वीकार न करे। अंततः, सुप्रीम कोर्ट का जो भी निर्णय आएगा, उसका प्रभाव केवल सबरीमाला मंदिर तक सीमित नहीं रहेगा। यह निर्णय देश में धार्मिक स्वतंत्रता, लैंगिक समानता और न्यायपालिका की भूमिका के बीच संतुलन को परिभाषित करेगा। यह भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, जहां यह तय होगा कि संविधान और आस्था के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जाए। इस संदर्भ में यह भी जरूरी है कि सभी पक्ष–सरकार, न्यायपालिका और समाज–अपनी–अपनी जिम्मेदारी को समझें और ऐसा समाधान खोजने का प्रयास करें, जो न्याय, समानता और आस्था–तीनों के बीच संतुलन स्थापित कर सके। क्योंकि अंततः लोकतंत्र की सफलता इसी में है कि वह विविधता के बीच एकता और संतुलन बनाए रख सके।

विचार विण्डो

परमाणु ऊर्जा में भारत की ऐतिहासिक बड़ी सफलता

राम प्रकाश शर्मा

भारत ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए वैश्विक मंच पर अपनी तकनीकी क्षमता का सशक्त प्रदर्शन किया है। तमिलनाडु के कलपक्कम स्थित कलपक्कम परमाणु संयंत्र में 500 मेगावाट क्षमता वाले प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (ढाइफ) ने सफलतापूर्वक "क्रिटिकैलिटी" प्राप्त कर ली है। इस उपलब्धि के साथ भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जिन्होंने इस जटिल और उन्नत परमाणु तकनीक में महारत हासिल की है।

यह रिएक्टर पूरी तरह स्वदेशी तकनीक पर आधारित है, जिसे इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र ने डिजाइन किया और भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड ने निर्मित किया है। इस परियोजना में 200 से अधिक भारतीय कंपनियों, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों की भागीदारी रही, जो इसे "मेक इन इंडिया" की एक बड़ी सफलता भी बनाती है। "क्रिटिकैलिटी" परमाणु रिएक्टर के संचालन की वह अवस्था होती है, जब परमाणु विखंडन की श्रृंखला प्रतिक्रिया स्थिर और नियंत्रित रूप से चलने लगती है। इसका अर्थ यह नहीं है कि रिएक्टर तुरंत बिजली उत्पादन शुरू कर देता है, बल्कि यह उस दिशा में पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम होता है। अब इस रिएक्टर पर विभिन्न परीक्षण किए जाएंगे और इसके बाद इसे राष्ट्रीय ग्रिड से जोड़कर बिजली उत्पादन शुरू किया जाएगा।

इस उपलब्धि का महत्व केवल तकनीकी नहीं, बल्कि रणनीतिक और पर्यावरणीय भी है। फास्ट ब्रीडर रिएक्टर पारंपरिक रिएक्टरों की तुलना में अधिक कुशल होते हैं। ये न केवल ऊर्जा उत्पादन करते हैं, बल्कि उपभोग किए गए ईंधन से अधिक ईंधन भी उत्पन्न करने की क्षमता रखते हैं। इससे यूरेनियम जैसे सीमित संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव हो पाता है और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

भारत की परमाणु ऊर्जा नीति का मूल आधार तीन–चरणीय कार्यक्रम रहा है, जिसकी परिकल्पना महान वैज्ञानिक होमी जहांगीर भाभा ने की थी। इस कार्यक्रम का अंतिम चरण थोरियम आधारित ऊर्जा उत्पादन पर केंद्रित है। भारत के पास विश्व के सबसे बड़े थोरियम भंडारों में से एक है, और यह रिएक्टर भविष्य में थोरियम–232 के उपयोग के लिए भी तैयार किया गया है। इस दृष्टि से यह उपलब्धि केवल वर्तमान की नहीं, बल्कि भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए एक दीर्घकालिक निवेश है। इस सफलता का एक और

महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह भारत को स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य के करीब ले जाती है। भारत ने वर्ष 2070 तक "नेट जीरो" उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है। परमाणु ऊर्जा, जो कम कार्बन उत्सर्जन के साथ निरंतर बिजली आपूर्ति प्रदान करती है, इस लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभा सकती है। फास्ट ब्रीडर रिएक्टर विशेष रूप से कम परमाणु कचरा उत्पन्न करते हैं, जिससे पर्यावरणीय जोखिम भी कम होता है। हालांकि, इस परियोजना की राह आसान नहीं रही। इसकी शुरुआत वर्ष 2004 में हुई थी, लेकिन तकनीकी जटिलताओं, सुरक्षा मानकों और लागत में वृद्धि के कारण इसमें कई वर्षों की देरी हुई। विशेष रूप से तरल सोडियम जैसे संवेदनशील कूलेंट को संभालना और अंतरराष्ट्रीय स्तर के सुरक्षा मानकों को पूरा करना बड़ी चुनौती थी। इसके बावजूद भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने धैर्य और दक्षता के साथ इन चुनौतियों को पार किया। इस उपलब्धि पर देश के वैज्ञानिक समुदाय और नीति–निर्माताओं ने गर्व व्यक्त किया है। पूर्व परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष अनिल काकोदकर ने इसे ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह भारत के तीन–चरणीय परमाणु कार्यक्रम को नई गति देगा। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस सफलता को भारत की वैज्ञानिक क्षमता और आत्मनिर्भरता का प्रमाण बताया है।

भारत सरकार ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। यह लक्ष्य न केवल ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि देश को जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता से भी मुक्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, जहां कई विकसित देश सुरक्षा चिंताओं के कारण परमाणु परियोजनाओं को सीमित कर रहे हैं, भारत का यह कदम उसकी अलग ऊर्जा रणनीति और जरूरतों को दर्शाता है। इस उपलब्धि के साथ भारत ने यह भी साबित कर दिया है कि वह जटिल और उन्नत तकनीकों में आत्मनिर्भर बनने की क्षमता रखता है। यह केवल एक रिएक्टर की सफलता नहीं है, बल्कि यह देश की वैज्ञानिक सोच, इंजीनियरिंग कौशल और नीति–निर्माण की दूरदर्शिता का परिणाम है।

आने वाले वर्षों में यदि इसी तरह के और रिएक्टर विकसित किए जाते हैं और थोरियम आधारित ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा दिया जाता है, तो भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर सकेगा, बल्कि वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह उपलब्धि भारत के लिए एक नए युग की शुरुआत है, जहां ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी आत्मनिर्भरता–तीनों एक साथ आगे बढ़ते नजर आते हैं।

इकाना में क्रिकेट के साथ ग्लैमर

लखनऊ-गुजरात मैच में सारा तेंदुलकर की मौजूदगी बनी चर्चा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का रोमांच अपने चरम पर है और इसी बीच लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में क्रिकेट के साथ-साथ ग्लैमर का तड़का भी देखने को मिला। लखनऊ सुपर जाएंट्स और गुजरात टाइटंस के बीच चल रहे इस मैच में दर्शकों की नजरें उस वक्त स्टैंड्स की ओर टिक गईं, जब सारा तेंदुलकर अपनी भाभी सानिया चंदोक के साथ नजर आईं।

महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर अपने भाई अर्जुन तेंदुलकर की टीम का हौसला बढ़ाने के लिए स्टेडियम पहुंची थीं। उनके साथ मौजूद सानिया चंदोक की मौजूदगी ने इस मुकाबले को और खास बना दिया। मैच के दौरान कई बार कैमरा सारा और सानिया की ओर गया, जिससे स्टेडियम में मौजूद दर्शकों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी उनकी चर्चा तेज हो गई। फैंस उनकी झलक पाने के लिए उत्साहित नजर आए और उनकी तस्वीरें व वीडियो तेजी से वायरल होने लगे।

यह मुकाबला जहां एक ओर क्रिकेट के लिहाज से महत्वपूर्ण था, वहीं दूसरी ओर स्टैंड्स में मौजूद चर्चित चेहरों ने इसे और भी आकर्षक बना दिया। आईपीएल में अक्सर ऐसा देखा जाता है कि मैदान पर खिलाड़ियों के प्रदर्शन के साथ-साथ स्टेडियम में मौजूद सेलिब्रिटी भी सुर्खियां बटोर लेते हैं।

सारा तेंदुलकर की लोकप्रियता पहले से ही सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा है और उनकी हर सार्वजनिक मौजूदगी चर्चा का विषय बन जाती है। इस मैच में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जहां क्रिकेट और ग्लैमर का बेहतरीन संगम नजर आया।

इकाना स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि आईपीएल सिर्फ खेल नहीं, बल्कि मनोरंजन और आकर्षण का पूरा पैकेज है।

जब डांट बनी दर्द की आवाज

'बंदिनी' के गाने में रो पड़ी थीं आशा भोसले

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय संगीत जगत की महान गायिका आशा भोसले अब हमारे बीच नहीं रहीं, लेकिन उनके गीतों के पीछे छिपी कहानियां आज भी उतनी ही जीवंत हैं। ऐसी ही एक भावुक कहानी जुड़ी है साल 1963 में आई फिल्म 'बंदिनी' से, जब एक गाना रिकॉर्ड करते समय आशा भोसले खुद को संभाल नहीं पाईं और रो पड़ीं।

इस फिल्म के संगीतकार एस. डी. बर्मन ने आशा भोसले को एक बेहद भावनात्मक गीत गाने के लिए बुलाया था। जब उन्होंने गाना गाया, तो तकनीकी रूप से सब कुछ सही था, लेकिन बर्मन दा को उसमें वह गहराई और दर्द महसूस नहीं हुआ, जिसकी उन्हें तलाश थी। इस पर उन्होंने आशा से नाराज होकर कहा-"क्या तुम्हारा भाई तुम्हें याद नहीं आता? क्या तुम उसे राखी नहीं बांधती?"

यह बात सीधे आशा भोसले के दिल को छू गई। उस समय वह निजी जीवन में भी एक कठिन दौर से गुजर रही थीं। शादी के बाद वह अपने परिवार से दूर हो गई थीं और अपने भाई हृदयनाथ मंगेशकर को बेहद याद कर रही थीं। बर्मन दा की यह बात सुनकर उनकी भावनाएं उमड़ पड़ीं और वह रोने लगीं।

लेकिन इसी दर्द ने उनके गाने को अमर बना दिया। आंसुओं के साथ उन्होंने जो भावनाएं महसूस कीं, वही उनकी आवाज में उतर आईं। इसके बाद उन्होंने गाना एक ही टेक में रिकॉर्ड कर दिया, और वह गीत सुनने वालों के दिलों को छू गया। इस गाने में एक महिला की पीड़ा और उसके मन की गहराई को जिस तरह उन्होंने आवाज दी, वह आज भी लोगों को भावुक कर देता है।

फिल्म 'बंदिनी' के इस गीत ने न सिर्फ आशा भोसले की गायिकी को नई ऊंचाई दी, बल्कि यह भी साबित किया कि सच्ची कला वही होती है, जिसमें कलाकार अपने दिल की भावनाएं पूरी तरह उंडेल दे।

आज जब आशा भोसले इस दुनिया में नहीं हैं, तब उनके ऐसे किस्से यह याद दिलाते हैं कि उनकी आवाज में सिर्फ सुर ही नहीं, बल्कि जिंदगी के अनुभव और गहरा एहसास भी बसता था। यही वजह है कि उनके गाए गीत हमेशा लोगों के दिलों में जिंदा रहेंगे।

संगीत और क्रिकेट का यादगार संगम

जब ब्रेट ली ने आशा भोसले संग गाकर सबको चौंकाया

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय संगीत जगत की दिग्गज गायिका आशा भोसले के निधन ने पूरे देश को भावुक कर दिया है। करीब सात दशकों तक अपनी आवाज का जादू बिखेरने वाली आशा भोसले ने हजारों गानों से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई। उनके करियर में कई यादगार पल रहे, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली के साथ उनका गाया गाना 'हां, मैं तुम्हारा हूं, तुम्हारा ही रहूंगा टी' एक अनोखा और खास अध्याय बन गया।

साल 2007 में रिलीज हुआ यह गाना उनके एल्बम आशा एण्ड फ्रेंड का हिस्सा था। इस गाने ने संगीत और क्रिकेट-दो अलग-अलग दुनिया को एक मंच पर ला दिया। ब्रेट ली, जो अपनी तेज गेंदबाजी के लिए दुनियाभर में मशहूर थे, इस गाने में एक नए अंदाज में नजर आए। उन्होंने न सिर्फ गाना गाया, बल्कि हिंदी में लाइन-"हां, मैं तुम्हारा हूं, तुम्हारा ही रहूंगा"-गाकर भारतीय फैंस को चौंका दिया।

इस गाने के पीछे की कहानी भी बेहद दिलचस्प है। बताया जाता है कि इसकी शूटिंग महज तीन घंटे में पूरी हो गई थी। वीडियो में ब्रेट ली को गिटार बजाते और एक भारतीय लड़की को प्रपोज करते हुए दिखाया गया, जो दर्शकों को काफी पसंद आया। गाने की कहानी एक विदेशी युवक और भारतीय लड़की के बीच पनपते रिश्ते पर आधारित थी, जिसने इसे और भी खास बना दिया। खास बात यह भी रही कि ब्रेट ली ने इस गाने के बोल खुद लिखे थे, वह भी मात्र आधे घंटे में। अपनी आत्मकथा में उन्होंने इस अनुभव को बेहद रोमांचक बताया और कहा कि वह यह साबित करना चाहते थे कि वे सिर्फ क्रिकेटर ही नहीं, बल्कि संगीत के भी शौकीन हैं। वहीं आशा भोसले ने भी इस सहयोग को लेकर खुशी जताई थी। उन्होंने कहा था कि उनका परिवार क्रिकेट का बड़ा प्रशंसक रहा है, ऐसे में ब्रेट ली के साथ काम करना उनके लिए खास अनुभव था।

आज जब आशा भोसले हमारे बीच नहीं रहीं, तब यह गाना उनकी बहुमुखी प्रतिभा और खुले दिल से नए प्रयोग करने की सोच का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आता है। यह सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि संगीत और खेल के अद्भुत मेल की ऐसी मिसाल है, जो हमेशा याद रखी जाएगी।

आशा भोसले का कुकिंग से भी था गहरा रिश्ता

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय संगीत जगत की दिग्गज गायिका आशा भोसले के निधन से देश शोक में डूबा है। सात दशकों से अधिक लंबे करियर में उन्होंने हजारों गीतों से लोगों के दिलों पर राज किया, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि संगीत के साथ-साथ उनका कुकिंग से भी गहरा लगाव था।

आशा भोसले ने एक इंटरव्यू में खुद बताया था कि अगर वह गायिका नहीं बनतीं, तो कुक बनकर लोगों के घरों में खाना बनातीं। उन्हें स्वादिष्ट भोजन बनाने का इतना शौक था कि उनके घर अक्सर दावतों का माहौल रहता था। उनके हाथों के बने पायाकरी, फिश करी, कढ़ाई गोश्त और दाल जैसे व्यंजन फिल्म इंडस्ट्री में काफी मशहूर थे। बॉलीवुड के कई बड़े सितारे उनके खाने के दीवाने थे। खास तौर पर ऋषि कपूर को उनके हाथों का बना कढ़ाई गोश्त, शामी कबाब और काली दाल बेहद पसंद थी। इसके अलावा देव आनंद और राजेश खन्ना जैसे दिग्गज भी उनके घर का खाना खाने पहुंचते थे।

कुकिंग के प्रति अपने इसी जुनून को आशा भोसले ने व्यवसाय में भी बदला। उन्होंने दुबई, कुवैत, अबूधाबी और दोहा जैसे शहरों में अपने नाम से रेस्टोरेंट शुरू किए। इन रेस्टोरेंट्स में पारंपरिक भारतीय व्यंजनों का खास स्वाद मिलता है। इतना ही नहीं, उन्होंने खुद शेफ्स को ट्रेनिंग दी और खाने की गुणवत्ता पर खास ध्यान रखा।

उनके पसंदीदा व्यंजनों में कढ़ाई गोश्त, चिकन बिरयानी, शामी कबाब और मिर्च का अचार शामिल था। आज आशा भोसले भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके सुरों के साथ-साथ उनके हाथों का स्वाद भी लोगों की यादों में हमेशा जिंदा रहेगा।

दादी की विरासत आगे बढ़ा रहीं जनाई भोसले

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिग्गज गायिका आशा भोसले के निधन के बाद उनकी पोती जनाई भोसले चर्चा का केंद्र बनी हुई हैं। जनाई, आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले की बेटी हैं और एक ऐसे परिवार से ताल्लुक रखती हैं, जहां संगीत विरासत की तरह पीढ़ियों से चला आ रहा है। यही कारण है कि जनाई के भीतर भी संगीत के प्रति गहरा लगाव बचपन से ही देखने को मिला।

जनाई भोसले ने दादी के नक्शे-कदम पर चलते हुए सिंगिंग में अपना करियर शुरू किया। उनका गाना 'केहंदी है' दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुआ और इससे उन्हें एक नई पहचान मिली। उनकी आवाज में मिठास और आत्मविश्वास साफ झलकता है, जो उन्हें नई पीढ़ी की उभरती गायिकाओं में खास बनाता है। खुद आशा भोसले भी अपनी पोती की प्रतिभा की सराहना करती थीं और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती थीं। सिर्फ सिंगिंग ही नहीं, जनाई अब अभिनय की दुनिया में भी कदम रखने जा रही हैं। वह जल्द ही

सिंगिंग से एक्टिंग तक बना रहीं पहचान

फिल्म 'द प्राइड ऑफ भारत-छत्रपति शिवाजी महाराज' से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी, जिसका निर्देशन संदीप सिंह कर रहे हैं। इस फिल्म से उन्हें बड़े पर्दे पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। सोशल मीडिया पर भी जनाई की मजबूत मौजूदगी है। इंस्टाग्राम पर उनके लाखों फॉलोअर्स हैं, जहां वह अपने सिंगिंग वीडियो, फोटोशूट और निजी पलों को साझा करती रहती हैं। दादी आशा भोसले के साथ उनकी खास बॉन्डिंग भी उनके पोस्ट्स में झलकती रही है।आज जब आशा भोसले हमारे बीच नहीं हैं, ऐसे में जनाई भोसले उनकी विरासत को आगे बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। वह न सिर्फ अपने परिवार के नाम को आगे ले जा रही हैं, बल्कि अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाने की कोशिश कर रही हैं।

यूपी में बदला मौसम का मिजाज

अब पारा पहुंचेगा 40 डिग्री

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है और अब गर्मी का असर तेजी से बढ़ने लगा है। हाल के दिनों में बारिश और तेज हवाओं के कारण मिली राहत अब खत्म होती दिख रही है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले एक सप्ताह में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। रविवार को प्रदेश के कई जिलों में तापमान में 2 से 4 डिग्री तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों का कहना है कि अब मौसम शुष्क बना रहेगा, जिससे तापमान में लगातार इजाफा होगा। अगले कुछ दिनों में 4 से 6 डिग्री तक तापमान बढ़ने की संभावना जताई गई है। बीते दिनों 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं ने लोगों को गर्मी से राहत दी थी, लेकिन अब इन हवाओं की गति धीमी पड़ने लगेगी। इसके चलते दिन के समय गर्मी का असर अधिक महसूस होगा।

शनिवार को झांसी और प्रयागराज प्रदेश के सबसे गर्म जिले रहे, जहां अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री दर्ज किया गया। वाराणसी, उरई, सुल्तानपुर, आजमगढ़ और गाजीपुर में भी तापमान 37 डिग्री के आसपास रहा।

मौसम विभाग का अनुमान है कि यदि कोई नया मौसम तंत्र सक्रिय नहीं हुआ, तो लखनऊसमेत प्रदेश के कई जिलों में तापमान 40 डिग्री के पार जा सकता है। ऐसे में लोगों को सावधानी बरतने और तेज धूप से बचने की सलाह दी गई है। गर्मी के इस बढ़ते प्रकोप के बीच साफ है कि अब प्रदेश में गर्मी अपना असली रंग दिखाने के लिए तैयार है।

रील का नशा या लापरवाही का खेल ?

बुलेट पर महिला का खतरनाक स्टंट वायरल

यूनिक समय, बुलंदशहर। बुलंदशहर की सड़कों पर इन दिनों एक वीडियो ने लोगों को चौंका दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में एक महिला काले रंग की बुलेट मोटरसाइकिल पर तेज रफ्तार से दौड़ती नजर आ रही है, लेकिन हैरानी की बात उसकी ड्राइविंग नहीं बल्कि उसका खतरनाक स्टंट है। महिला कभी बाइक चलाते समय दोनों हाथ छोड़ देती है, तो कभी पैर ऊपर उठाकर लापरवाही से संतुलन बनाती दिखती है।

सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह रही कि बाइक की नंबर प्लेट पर रजिस्ट्रेशन नंबर की जगह बड़े अक्षरों में "पुलिस" लिखा हुआ था। यह दृश्य शहर के व्यस्त काला आम चौराहा, दिल्ली रोड और नेशनल हाईवे के आसपास का बताया जा रहा है, जहां हर समय भारी ट्रैफिक रहता है। ऐसे में इस तरह का स्टंट न केवल महिला की जान को खतरे में डाल रहा था, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों के लिए भी बड़ा जोखिम बन गया।

वीडियो में यह भी साफ दिख रहा है कि महिला का एक साथी इस पूरे स्टंट को रिकॉर्ड कर रहा था, ताकि उसे सोशल मीडिया पर रील के रूप में पोस्ट किया जा सके। यही दिखाता है कि लाइक्स और व्यूज की होड़ में लोग किस हद तक जा सकते हैं।इस घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। व्यस्त सड़कों पर "पुलिस" लिखी बाइक से खुलेआम स्टंट होना गश्त और निगरानी की कमी को दर्शाता है।

स्थानीय लोगों में इस वीडियो को लेकर गहरा आक्रोश है और वे सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।यह घटना एक बार फिर याद दिलाती है कि कुछ सेकंड की सोशल मीडिया लोकप्रियता के लिए अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डालना समझदारी नहीं, बल्कि गंभीर लापरवाही है।

गर्लफ्रेंड के महंगे शौक के लिए बने ठग

यूनिक समय, बागपत । बागपत पुलिस ने एक अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह का पर्दाफाश किया है, जिसमें पढ़ाई कर रहे छात्र ही ठगी का मास्टरमाइंड निकले। नोएडा में एमबीए, बीबीए, बीसीए और बीएससी की पढ़ाई कर रहे इन युवकों ने जस्ट डायल पर फर्जी विज्ञापन देकर लोगों को सस्ते सामान का लालच दिया और

जस्ट डायल पर फर्जी विज्ञापन देकर छात्रों ने ठगे करोड़ों

उनसे पैसे ऐंठे। गिरोह ने करीब एक साल में एक करोड़ रुपये से अधिक की ठगी को अंजाम दिया। पुलिस ने आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से मोबाइल, लैपटॉप, सिम कार्ड और हथियार बरामद किए हैं। मामला तब खुला जब एक व्यापारी ने सस्ते सॉफ्ट ड्रिंक के झांसे में आकर लाखों रुपये ट्रांसफर कर दिए।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ठगी के पैसों से अपने और अपनी गर्लफ्रेंड के महंगे शौक पूरे कर रहे थे। पुलिस अब फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान की शिष्या थीं आशा भोसले

'झुमका गिरा रे...' गाकर बरेली को दी नई पहचान

यूनिक समय, बरेली । दिग्गज पार्श्व गायिका आशा भोसले का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया, जिससे भारतीय संगीत जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। अपनी बहुमुखी आवाज और हजारों गीतों से उन्होंने कई पीढ़ियों को प्रभावित किया। उनके निधन को संगीत के एक स्वर्णिम युग के अंत के रूप में देखा जा रहा है।

आशा भोसले का उत्तर प्रदेश के बरेली और बदायूं से भी खास जुड़ाव रहा। वह सहसवान–रामपुर घराने के प्रख्यात शास्त्रीय गायक उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान की शिष्या थीं। उन्होंने

उनसे शास्त्रीय संगीत की बारीकियां सीखीं, जिसने उनके गायन को और समृद्ध बनाया। उस्ताद खान को पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण जैसे उच्च सम्मान प्राप्त थे और उनके शिष्यों में कई नामचीन कलाकार शामिल रहे।

आशा भोसले द्वारा गाया गया मशहूर गीत झुमका गिरा रे आज भी लोगों की जुबान पर है। फिल्म मेरा साया में अभिनेत्री साधना पर फिल्माए गए इस गीत ने बरेली शहर को एक नई पहचान दी। इस गाने के कारण बरेली को 'झुमका सिटी' के नाम से जाना जाने लगा। यही नहीं, शहर में इस गीत की लोकप्रियता को देखते हुए एक विशाल झुमका भी स्थापित किया गया, जो इस सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक बन चुका है।

संगीत जगत के जानकारों का मानना है कि आशा भोसले का योगदान केवल फिल्मी गीतों तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने ग़ज़ल, भजन, पॉप और शास्त्रीय संगीत में भी अपनी अलग छाप छोड़ी। उनके जाने से एक ऐसी आवाज खामोश हो गई, जिसने दशकों तक भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

उनके निधन पर देशभर के कलाकारों और प्रशंसकों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। आशा भोसले का संगीत हमेशा जीवित रहेगा और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

झांसी में उमा भारती के लिए चेन पुलिंग, पांच मिनट रुकी ट्रेन

यूनिक समय, झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी रेलवे स्टेशन पर एक बार फिर वीआईपी संस्कृति और नियमों के पालन को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के लिए पंजाब मेल ट्रेन को चेन पुलिंग के जरिए रोके जाने की घटना ने रेलवे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, झांसी से नई दिल्ली जा रही पंजाब मेल निर्धारित समय पर रवाना होने वाली थी, लेकिन उमा भारती के समय पर प्लेटफॉर्म तक न पहुंच पाने के कारण अधिकारियों में हड़कंप मच गया। पुलिस और रेलवे अधिकारियों ने समन्वय कर ट्रेन को चेन पुलिंग के जरिए रुकवाया, जिससे करीब पांच मिनट तक ट्रेन के पहिये थमे रहे। पूर्व मुख्यमंत्री के सवार होने के बाद ही ट्रेन को आगे बढ़ाया गया।

इस घटना के बाद जब मीडिया ने सवाल उठाए, तो उमा भारती ने स्टेशन पर अव्यवस्था को इसका कारण बताया। उनका कहना था कि वे समय पर स्टेशन पहुंच गई थीं, लेकिन प्लेटफॉर्म तक पहुंचने में बाधाएं आईं। उन्होंने आरोप लगाया कि ई-कार्ट से जाने के दौरान रास्ते में दूसरी ट्रेन और अन्य अवरोधों के कारण देरी हुई, जो रेलवे की लापरवाही को दर्शाता है।

उन्होंने यह भी कहा कि इस मुद्दे को रेल मंत्री के सामने उठाया जाएगा।

हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम ने एक बड़े मुद्दे को जन्म दिया है–क्या नियम केवल आम जनता के लिए हैं? चेन पुलिंग एक आपातकालीन सुविधा है, जिसका उपयोग केवल आपात स्थितियों में किया जाना चाहिए। ऐसे में किसी वीआईपी के लिए इसका इस्तेमाल नियमों की अनदेखी माना जा रहा है।

रेलवे के नियमों के अनुसार, बिना उचित कारण चेन पुलिंग करना दंडनीय अपराध है, लेकिन जब ऐसे मामलों में कार्रवाई नहीं होती, तो यह संदेश जाता है कि प्रभावशाली लोगों के लिए नियम अलग हैं। यह घटना न केवल प्रशासनिक व्यवस्था, बल्कि समानता के सिद्धांत पर भी सवाल खड़े करती है। अब देखना होगा कि रेलवे प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और क्या भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाए जाते हैं या नहीं।

200 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख

यूनिक समय, औरैया। औरैया जिले के बेला थाना क्षेत्र के पुरवा भदौरिया गांव में रविवार दोपहर अचानक लगी आग ने किसानों की महीनों की मेहनत को चंद घंटों में राख कर दिया। करीब 12 बजे अज्ञात कारणों से गेहूं के खेतों में उठी चिंगारी देखते ही देखते विकराल रूप ले गई और करीब 200 बीघा फसल जलकर खाक हो गई।

आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में लपटें गांव के किनारे तक पहुंच गईं। हालात बेकाबू होते देख ग्रामीण खुद ही मोर्चे पर उतर आए। किसी ने बाल्टियों से पानी डाला, तो किसी ने पेड़ों की डालियों से आग बुझाने की कोशिश की। वहीं कई किसानों ने ट्रैक्टरों से फसल को कुचलकर आग की रफ्तार रोकने का साहसिक प्रयास किया। करीब ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक भारी नुकसान हो

ग्रामीणों ने ढाई घंटे में आग पर पाया काबू

चुका था। दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, मगर खेतों तक जाने का रास्ता न होने के कारण वे प्रभावी रूप से मदद नहीं कर सकीं। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला भी सक्रिय हो गया। एसडीएम बिधूना, सीओ और फायर विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

इस घटना ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन और फायर व्यवस्था की सीमाओं को उजागर कर दिया है। किसानों के लिए यह नुकसान सिर्फ फसल का नहीं, बल्कि उनकी उम्मीदों और आजीविका पर गहरी चोट है।

अब बिना बुकिंग आधार कार्ड पर मिलेगा छोटा सिलेंडर

यूनिक समय, आगरा । आगरा में गैस किल्लत के बीच छोटे व्यापारियों और स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को बड़ी राहत दी गई है। अब उन्हें 5 किलो का छोटा गैस सिलेंडर लेने के लिए बुकिंग की जरूरत नहीं होगी। सिर्फ आधार कार्ड दिखाने पर यह सिलेंडर गैस एजेंसी या पेट्रोल पंप से आसानी से मिल सकेगा। पहली बार सिलेंडरलेने पर करीब 800 रुपये (प्लस जीएसटी) सिलिंडर के और 600 रुपये गैस के देने होंगे। जिनके पास पहले से छोटा सिलिंडर है, वे खाली सिलेंडर के बदले 600 रुपये में भरा हुआ सिलेंडर ले सकेंगे। प्रशासन का कहना है कि इससे छोटे कारोबारियों को राहत मिलेगी और गैस की कमी के बीच उनका काम प्रभावित नहीं होगा।

मणिपुर में बीएसएफ जवान की हत्या के बाद तलाशी अभियान जारी

हथियार बरामद, 21 अवैध बंकर ध्वस्त, सुरक्षा बढ़ाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। मणिपुर के उखरुल जिला में बीएसएफ जवान की हत्या के बाद सुरक्षा बलों ने उग्रवादियों के खिलाफ व्यापक तलाशी अभियान तेज कर दिया है। लगातार तीसरे दिन जारी इस संयुक्त अभियान में सुरक्षा बलों ने 21 अवैध बंकरों को नष्ट कर दिया, जिन्हें उग्रवादी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था।

अधिकारियों के अनुसार, सीमा सुरक्षा बल के कांस्टेबल मिथुन मंडल की हत्या के बाद यह अभियान शुरू किया गया। जवान पर हमला उस समय हुआ जब वह अन्य सुरक्षाकर्मियों के साथ 'रोड ओपनिंग पार्टी' ड्यूटी पर तैनात थे। घटना के बाद उनके पार्थिव शरीर को उनके पैतृक स्थान मालदा भेज दिया गया। तलाशी अभियान के दौरान सिकिबुंग गांव में 14 और मोंगकोट चेपु गांव में सात बंकरों को ध्वस्त किया गया। ये बंकर उग्रवादियों द्वारा सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हमले के लिए बनाए गए थे। इसके अलावा तेंगनौपाल जिला में एक अलग ऑपरेशन में भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए। इनमें दो 9 एमएम पिस्तौल, 13 आईईडी, कॉम्बैट यूनिफॉर्म और अन्य सामग्री शामिल थी। सभी आईईडी को मौके पर ही सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया गया। इस बीच मणिपुर पुलिस ने चुराचांदपुर जिला से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 'ब्राउन शुगर' और अन्य सामान बरामद हुआ। राज्य में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई संवेदनशील इलाकों में 'एरिया डोमिनेशन' अभियान चलाया जा रहा है। घाटी और पहाड़ी क्षेत्रों में कुल 109 चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं। साथ ही इम्फाल–जिरीबाम राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवश्यक वस्तुओं की सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए वाहनों को एस्कॉर्ट किया जा रहा है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर फैल रहे फर्जी वीडियो और अफवाहों से सतर्क रहें तथा किसी भी सूचना की पुष्टि आधिकारिक स्रोतों से ही करें।

प्रवीण तोगड़िया ने आईटी कॉल सेंटर के जरिए धर्मांतरण का आरोप लगाया

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रवीण तोगड़िया ने अवैध धर्मांतरण को लेकर बड़ा बयान देते हुए दावा किया कि अब यह गतिविधि नए तरीकों से की जा रही है। महाराष्ट्र के जालना में उन्होंने कहा कि पहले धर्मांतरण तलवार के बल पर होता था, लेकिन अब यह कथित रूप से आईटी कॉल सेंटर के माध्यम से किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों को बहला–फुसलाकर या दबाव बनाकर धर्म बदलने के लिए प्रेरित किया जाता है।

तोगड़िया ने इस तरह की गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि दोषियों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि वे जेल से बाहर न आ सकें। उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए औरंगजेब के दौर का भी उल्लेख किया। नाशिक की एक आईटी कंपनी में कर्मचारियों पर युवाओं को कथित रूप से धर्मांतरण के लिए उकसाने का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

इस दौरान तोगड़िया ने एक स्वास्थ्य अभियान की भी घोषणा की। उन्होंने बताया कि देश में बड़ी संख्या में लोग ब्लड प्रेशर और शुगर जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। उनके अभियान के तहत जहां हनुमान चालीसा का पाठ होगा, वहां मुफ्त स्वास्थ्य जांच की जाएगी। उन्होंने देशभर में एक लाख हनुमान चालीसा केंद्र स्थापित करने और एक करोड़ लोगों को रोगमुक्त करने का लक्ष्य भी रखा है।

दिल्ली में 'एंजल्स ऑफ मिनाब' प्रदर्शनी, मलबे से मिली बच्चों की ड्रॉइंग्स प्रदर्शित

यूनिक समय, नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास में 'एंजल्स ऑफ मिनाब' नामक मार्मिक प्रदर्शनी आयोजित की गई है। इस प्रदर्शनी में उन बच्चों की ड्रॉइंग्स प्रदर्शित की गई हैं, जिन्हें मिनाब के एक एलिमेंट्री स्कूल के मलबे से बरामद किया गया था। यह स्कूल 28 फरवरी को हुए हवाई हमले में नष्ट हो गया था, जिसमें 165 से अधिक बच्चों और स्टाफ की मौत हो गई थी। प्रदर्शनी के माध्यम से युद्ध की त्रासदी और बच्चों की मासूम दुनिया के बीच का दर्दनाक अंतर दिखाया गया है। दूतावास के अनुसार, इन चित्रों को केवल इतना ही ठीक किया गया है कि वे देखे जा सकें, लेकिन उनमें आज भी उम्मीद और सरलता झलकती है।

दूतावास ने कहा कि किसी भी युद्ध में बच्चों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए, लेकिन हर संघर्ष में सबसे ज्यादा नुकसान उन्हीं का होता है। रेड क्रिसेंट की टीम ने मलबे से इन ड्रॉइंग्स को निकालने में अहम भूमिका निभाई। यह प्रदर्शनी केवल कला प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक कूटनीतिक संदेश भी है, खासकर इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच विफल शांति वार्ता के बाद। इससे पहले, ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद गालिबाफ ने भी मिनाब हमले के पीड़ित बच्चों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक प्रतीकात्मक पहल की थी। उन्होंने इस्लामाबाद जाते समय विमान में खाली सीटों पर बच्चों की तस्वीरें और उनके सामान रखकर उन्हें याद किया। यह प्रदर्शनी दुनिया को युद्ध के मानवीय पहलू पर सोचने के लिए मजबूर करती है।

तीन जुलाई से शुरू होगी अमरनाथ यात्रा, 28 अगस्त को होगा समापन

57 दिनों तक चलेगी पवित्र यात्रा

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रा इस वर्ष तीन जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगी। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बताया कि यात्रा कुल 57 दिनों की होगी। यह निर्णय श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड की बैठक में लिया गया। यात्रा के दौरान श्रद्धालु दक्षिण कश्मीर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर के दर्शन कर सकेंगे।

श्रद्धालुओं के लिए आयु सीमा 13 से 70 वर्ष निर्धारित की गई है। वहीं, 19 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर पहली पूजा आयोजित की जाएगी। यात्रा के लिए पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू होगा और यह अनिवार्य रहेगा। श्रद्धालु देशभर में नामित बैंक शाखाओं और ऑनलाइन माध्यम से रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। पंजीकरण की सुविधा यश बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एक्सिस बैंक की शाखाओं में उपलब्ध होगी। यात्रा दो मार्गों से संचालित की जाएगी। पहला पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा पहलगाम मार्ग है, जो अनंतनाग जिला के नुनवान बेस कैंप से शुरू होता है। दूसरा 14 किलोमीटर लंबा, लेकिन अधिक कठिन बालटाल मार्ग है, जो गांदरबल जिला में स्थित है। प्रशासन ने यात्रा को सुरक्षित और सुचारू बनाने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं।

मुंबई में छात्र पर हमला, नासिक में टीसीएस की बड़ी कार्रवाई

युवा कार्यक्रम में एमबीए छात्र पर चाकू से हमला

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित एमएमआरडीए ग्राउंड्स में आयोजित हिप–हॉप और युवा कार्यक्रम के दौरान एक एमबीए छात्र पर चाकू से हमला किया गया। सियॉन निवासी छात्र को एक अज्ञात हमलावर ने धारदार हथियार से घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार, उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत अब स्थिर है। मामले में शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है और आरोपी की तलाश जारी है। नासिक में सामने आए उत्पीड़न के मामले में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने कड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपित कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। आठ महिला कर्मचारियों ने वरिष्ठ अधिकारियों पर मानसिक और यौन उत्पीड़न तथा जबरन धर्म परिवर्तन के गंभीर आरोप लगाए थे। पुलिस ने जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया है और अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें एक एचआर मैनेजर भी शामिल है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि वह किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाती है और जांच में पूरा सहयोग कर रही है।

ईरान–अमेरिका वार्ता विफल, तेहरान का 'जीरो ट्रस्ट' बयान

इस्लामाबाद वार्ता के बाद बढ़ा तनाव

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच इस्लामाबाद में हुई शांति वार्ता विफल हो गई है, जिसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है। वार्ता असफल होने के बाद तेहरान की ओर से कड़ा बयान जारी किया गया। जिम्बाब्वे स्थित ईरानी दूतावास ने कहा कि इस्लामाबाद पहुंचने से पहले ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि अमेरिका पर "बिल्कुल भी भरोसा नहीं" है।

ईरान ने दोहराया कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम से पीछे हटने को तैयार नहीं है। उसका कहना है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा, चाहे इसके लिए उसे अंतरराष्ट्रीय दबाव का सामना ही क्यों न करना पड़े।

ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने पहले ही संकेत दे दिए थे कि अमेरिका पर भरोसा करना मुश्किल है, क्योंकि वाशिंगटन अतीत में कई समझौतों से पीछे हट चुका है। ईरान का कहना है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब उसे अपना परमाणु कार्यक्रम जारी रखने दिया जाए और उसकी प्रतिबंधित संपत्तियां वापस की जाएं। इसके अलावा ईरान ने लेबनान में जारी संघर्ष और इज़राइल की सैन्य कार्रवाइयों को भी मुद्दा बनाया।

हालांकि अमेरिका ने इन शर्तों को अस्वीकार्य बताया और वार्ता बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि वाशिंगटन को ईरान से स्पष्ट आश्वासन चाहिए कि वह परमाणु हथियार विकसित करने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाएगा।

उन्होंने कहा कि इस दिशा में ठोस प्रतिबद्धता के बिना कोई समझौता संभव नहीं है। वेंस ने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका बिना किसी समझौते के वार्ता से वापस लौटा है। उनके अनुसार, यह स्थिति ईरान के लिए अधिक नुकसानदेह हो सकती है। दोनों देशों के बीच बढ़ते मतभेदों से क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ गई है, और आने वाले समय में स्थिति और जटिल हो सकती है।

ईरान को लेकर नेतन्याहू का रुख सख्त अभियान जारी रखने की चेतावनी

'अभियान अभी खत्म नहीं हुआ'

यूनिक समय, नई दिल्ली। बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ जारी कार्रवाई को लेकर कड़ा बयान दिया है। एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि इजराइल का अभियान अभी समाप्त नहीं हुआ है और आगे भी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि इजराइल ने ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को काफी हद तक नाकाम कर दिया है, लेकिन अभी और प्रयास करने बाकी हैं। नेतन्याहू के अनुसार, ईरान अब भी लगभग 400 किलोग्राम यूरेनियम रखता है, जो वैश्विक सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि इस खतरे को या तो कूटनीतिक तरीकों से या आवश्यकता पड़ने पर बलपूर्वक समाप्त करना होगा।

नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल ने यह अभियान इसलिए शुरू किया क्योंकि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब पहुंच गया था और बड़े पैमाने पर मिसाइल उत्पादन की क्षमता विकसित कर रहा था। उनके अनुसार, यह इजराइल की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा था, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता था।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को भूमिगत ठिकानों में छिपाने की कोशिश कर रहे थे, ताकि उन तक पहुंचना मुश्किल हो सके। इजरायल के प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि उनका देश किसी भी खतरे के सामने चुप नहीं रहेगा और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाएगा।

गोवर्धन में बिछाई जा रही थी चोरी की पाइपलाइन

जलजीवन मिशन योजना के पाइप लगा रहा था ठेकेदार

यूनिक समय, गोवर्धन। गोवर्धन नगर पंचायत द्वारा कस्बे में पाइप लाइन बिछाने के लिए दिए गए ठेके में सरकार की जल जीवन मिशन योजना के चोरी के पाइपों का इस्तेमाल किए जाने की शिकायत पर पुलिस ने वहां से आठ लाख रुपये कीमत के चोरी के पाइप बरामद कर तीन कंपनियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

नगर पंचायत द्वारा गोवर्धन के सकीतरा में बरसाना रोड राधाकुंज के बगल में से जा रहे ई-रिक्शा मार्ग पर ठेकेदार द्वारा पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा था। इस कार्य में ठेकेदार द्वारा केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन योजना के तहत बिछाई जा रही पाइपलाइन को चोरी कर गोवर्धन नगर पंचायत के कार्य में लगा दिया गया। केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जल जीवन मिशन के अन्तर्गत हर घर जल आपूर्ति के लिए बुलन्दशहर से मथुरा में टंकी निर्माण एवं डीआई पाइप लाइन बिछाने के लिए मैसर्स एनसीसी एपको

गोवर्धन में बिछाई जाने वाली पानी की पाइप लाइन में प्रयोग किए जाने वाले जल जीवन मिशन योजना के चुराए गए पाइप।

(जेवी) इन्फ्राटेक कम्पनी लखनऊ को कार्य दिया गया था। इस कम्पनी ने उक्त कार्य को मथुरा की स्थानीय कंस्ट्रक्शन कम्पनियां मैं. श्री साईं कंस्ट्रक्शन, भरतपुर (राजस्थान) के महिपाल व मैं लक्ष्मी कंस्ट्रक्शन भरतपुर (राजस्थान) लक्ष्मी पत्नी दुर्गपाल को दिया गया था। इस काम के लिए उपलब्ध कराए गए सरकारी पाइपों को चोरी से सकीतरा दिए गए पानी की पाइप लाइन बिछाने के ठेके में ठेकेदार को बिक्री कर दिए गए। पुलिस ने शिकायत मिलने पर मौके से पाइप लाइन के लिए जमीन में गढ़े 16

पुलिस ने आठ लाख के पाइप किए मौके से बरामद

पुलिस ने तीन कंपनियों के खिलाफ दर्ज की रिपोट

पाइप निकाल कर कुल 88 पाइप बरामद किये है। बरामद पाइप लाइन के पाइपों की कीमत आठ लाख रुपये बताई जा रही है।

मैसर्स एनसीसी ऐप को (जेवी) के कर्मचारियों ने सरकारी पाइपों को बिछाते हुए पहचान लिया और शिकायत की थी। पुलिस ने इस मामले में मैं. श्री साईं कंस्ट्रक्शन, भरतपुर (राजस्थान) के महिपाल व मैं. लक्ष्मी कंस्ट्रक्शन भरतपुर (राजस्थान) लक्ष्मी पत्नी श्री दुर्गपाल व दुर्गपाल निवासी भरतपुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आगरा में 30 लाख की चरस के साथ अंतरजनपदीय तस्कर गिरफ्तार

यूनिक समय, आगरा। थाना ट्रांस यमुना पुलिस और साइबर सर्विलांस/काउंटर इंटेलिजेंस टीम की संयुक्त कार्रवाई में नशा तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। पुलिस ने छापेमारी कर एक अंतरजनपदीय तस्कर को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से 11 किलो 208 ग्राम चरस बरामद की गई है। बरामद चरस की अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर ट्रांस यमुना थाना पुलिस ने साइबर सर्विलांस टीम के साथ मिलकर क्षेत्र के झरने नाले के पास देर रात छापेमारी की। इस दौरान शिवम पुत्र सुरेश नामक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से भारी मात्रा में चरस के साथ–साथ पैकिंग में इस्तेमाल होने वाली पन्नी और टेप भी बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपी की तलाशी सहायक पुलिस आयुक्त, छत्ता की मौजूदगी में ली गई। बरामदगी के आधार पर थाना ट्रांस यमुना में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पूछताछ में आरोपी शिवम ने खुलासा किया कि वह यह चरस फिरोजाबाद से अपने साथी अरबाज के साथ लेकर आया था। अरबाज पहले ही थाना बमरौली कटारा क्षेत्र में एक अन्य मामले में गिरफ्तार होकर जेल भेजा जा चुका है। शिवम ने बताया कि वह अपने हिस्से की चरस को आगरा और आसपास के जिलों में सप्लाई करने के लिए ले जा रहा था। पुलिस का कहना है कि यह गिरोह अंतरजनपदीय स्तर पर नशे की तस्करी में सक्रिय है और इसके अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है। साथ ही, गिरफ्तार आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इस कार्रवाई से क्षेत्र में नशा तस्करों के नेटवर्क पर बड़ी चोट पहुंची है। आने वाले समय में भी इस तरह के अभियानों को जारी रखते हुए अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर सख्ती से रोक लगाई जाएगी।

गांव बाटी में कलश यात्रा के साथ भागवत कथा का शुभारंभ

गांव बाटी में आयोजित श्रीमदभागवत कथा शुरू होने पर भागवत प्रवक्ता अवधेश वशिष्ठ को पगड़ी पहनाते रामेश्वर दयाल शर्मा आदि।

यूनिक समय, वृंदावन। रविवार को ग्राम बाटी क्षेत्र के शांति देवी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सप्तदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ किया गया। श्रद्धालुओं के साथ सर्व ब्राह्मण महासभा के विभिन्न क्षेत्रों से आए पदाधिकारियों ने भी भाग लिया।

सर्व ब्राह्मण महासभा ने कथा वाचक का सम्मान किया, कथा वाचक आचार्य अवधेश वशिष्ठ ने धर्म, सत्य, भक्ति एवं मानव जीवन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कहा कि राजा परीक्षित और शुकदेव जी के संवाद के माध्यम से जीवन की नश्वरता तथा सत्कर्मों के महत्व को सरल भाषा में समझाया।

आचार्य बद्रीश महाराज ने आशीर्वचन देते हुए धर्म के मार्ग पर चलने, संस्कारों को अपनाने तथा समाज में एकता बनाए रखने का संदेश दिया। इस मौके पर सर्व ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट अनिल शर्मा, प्रदेश महासचिव अरविंद शर्मा, कथा संयोजक ब्रजबल्लभ शर्मा, रामेश्वर दयाल शर्मा आदि उपस्थित थे।

गिरिराज महाराज का अभिषेक और भजन संध्या से गूंजा केशव देव मंदिर

भजन संध्या कार्यक्रम में प्रस्तुति देते कलाकार।

यनिक समय, मथुरा। ठाकुर श्री केशव देव जी महाराज के पावन सानिध्य में भक्तों द्वारा गिरिराज महाराज का विधिवत अभिषेक एवं पूजन किया गया। इस अवसर पर मिथिलेश, सुरेश अग्रवाल, प्रदीप, दिलीप, अंशुल, लव, कुश, मृदुल और तन्मय सहित अन्य भक्तों ने श्रद्धापूर्वक अभिषेक कर पोशाक अर्पित की तथा इत्र सेवा की।

कार्यक्रम के अंतर्गत भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें गोविंद राम शर्मा की पार्टी द्वारा प्रस्तुत भजनों ने भक्तों को भाव–विभोर कर दिया। साथ ही फूलों की होली का आयोजन भी हुआ, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। आयोजन में साधु सेवा एवं ब्राह्मण भोजन के साथ विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें महिला एवं पुरुष भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। ठाकुर केशव देव और गिरिराज महाराज के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा।

इस अवसर पर पंडित सोहनलाल शर्मा, सुरेश अग्रवाल, पी.पी. शर्मा, पंकज शर्मा, नारायण प्रसाद शर्मा, मुकुट मणि शर्मा, महेश गोयल, मनमोहन अग्रवाल, दीपक शर्मा, विजय बंसल, दिलीप पांडे, राजकुमार अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सर्वोदयी ब्राह्मण संस्थान ने कथावाचक के साथ हुई मारपीट की निंदा की

यूनिक समय, मथुरा। सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान की एक आवश्यक बैठक कैंप कार्यालय जगन्नाथपुरी पर संस्थान अध्यक्ष पंडित सोहनलाल शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में वृंदावन में मृदुलकांत शास्त्री के साथ हुई मारपीट की घटना की कड़ी निंदा की गई। उपस्थित सदस्यों ने पुलिस प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इसके साथ ही बैठक में सांसद साक्षी महाराज द्वारा ब्राह्मण समाज के प्रति की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी पर भी आक्रोश व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने कहा कि ब्राह्मण समाज सदैव ज्ञान, संस्कार और धर्म का मार्गदर्शन करता रहा है, ऐसे में इस प्रकार की भाषा का प्रयोग अत्यंत निंदनीय है। बैठक में नारायण प्रसाद शर्मा, पीपी शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, पंकज शर्मा, केसी गौड़ एडवोकेट, मुरलीधर शर्मा, महेंद्र दत्त, आचार्य बिहारी लाल गोस्वामी, अजय शर्मा, दिवाकर आचार्य, जयप्रकाश शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

ई रिक्शा पलटा, कई लोग घायल

यूनिक समय, वृंदावन। अटल्ला चुंगी चौराहा के पास सवारियों से भरा ई रिक्शा पलटने से अधिकांश सवारियां बुरी तरह से घायल हो गई। इनको निकटवर्ती अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है। इन ई रिक्शाओं में भी चार सवारी बैठाने का प्रावधान है लेकिन पुलिस की खुली छूट और शह से ऐसे ई रिक्शा में 12 से 14 सवारियां भरकर चल रही हैं, कोई रोकने वाला नहीं।

जिला अस्पताल में सीएमएस डॉ. नीरज अग्रवाल ने किया निरीक्षण

सीएमएस डॉ. नीरज अग्रवाल, डॉ. सिद्वार्थ धनगर वार्डों में जाकर मरीजों से जानकारी लेते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। जिला अस्पताल में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीरज अग्रवाल, डॉ. सिद्धार्थ धनगर ने रविवार को वार्डों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल के विभिन्न वार्डों में साफ–सफाई की व्यवस्था, मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सेवाओं, दवा की उपलब्धता तथा स्टाफ की कार्यप्रणाली का गहन अवलोकन किया गया।

वहीं सीएमएस ने मरीजों से बात कर उनके उपचार, भोजन व्यवस्था और अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली तथा उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना।

वार्डों की साफ–सफाई, दवा की उपलब्धता और मरीजों की सुविधाओं का लिया जायजा

उन्होंने संबंधित स्टाफ को निर्देश दिए कि मरीजों की देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और समय पर दवाइयों व उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, संक्रमण नियंत्रण के नियमों का पालन करने तथा रिकॉर्ड मेंटेनेंस को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया।

पिछड़ा वर्ग सम्मेलन के होर्डिंग से बाबा साहब की तस्वीर नदारद

यूनिक समय, बाजना / लखनऊ। लखनऊ में अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में 13 अप्रैल को होने वाले 'पिछड़ा वर्ग अधिकार सम्मेलन' से पहले एक नया विवाद खड़ा हो गया है। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के होर्डिंग्स और बैनरों से संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर गायब होने पर समर्थकों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।

हैरानी की बात यह है कि बैनर के शीर्ष पर कई महापुरुषों और समाज सुधारकों की तस्वीरें लगाई गई हैं, लेकिन पार्टी की विचारधारा के आधार स्तंभ माने जाने वाले डॉ. अंबेडकर को

विवादित बैनर जिसमें डॉ. अंबेडकर की तस्वीर नहीं है।

पोस्टर में कहीं भी जगह नहीं दी गई है। जैसे ही यह होर्डिंग सार्वजनिक हुआ, समर्थकों और जागरूक नागरिकों ने सवाल उठाना शुरू कर दिया कि 'जय भीम' के नारे पर चलने वाली पार्टी के अधिकारिक पोस्टर से मिशन के नायक

भीम आर्मी ने बताया मानवीय भूल

की तस्वीर कैसे छूट गई। होर्डिंग पर मचे बवाल के बाद जब भीम आर्मी के विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारियों से जानकारी ली गई, तो उन्होंने इसे 'मानवीय भूल' करार दिया। ब्लॉक अध्यक्ष अनुज सागर ने स्पष्ट किया कि लखनऊसम्मेलन की तैयारियों के दौरान समय की कमी और भारी जल्दबाजी के कारण प्रिंटिंग प्रेस से यह बड़ी गलती हुई है। उन्होंने कहा कि प्रिंटिंग एजेंसी ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और विवादित बैनर को हटाकर जल्द ही बाबा साहब की तस्वीर वाला नया बैनर लगाया जाएगा।